सान्ध्य हिन्दी दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 03 | अंक - 146 | जौनपुर, मंगलवार, 14 जनवरी 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

कश्मीर बनेगा फिर से धरती का स्वर्ग : पीएम मोदी

श्रीनगर । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जम्मू कश्मीर के सोनमर्ग में एक ऐतिहासिक भाषण दिया, जिसमें उन्होंने राज्य के विकास के लिए केंद्र सरकार द्वारा किए गए प्रयासों को बताया। प्रधानमंत्री ने कहा कि देश की उन्नति के लिए जम्मू कश्मीर के उन्नति की आवश्यकता है और इसके लिए श्रमिकों ने कठिन संघर्ष किया है, जिनकी कड़ी मेहनत और बलिदान की सराहना की। हम अपने श्रमिक साथियों की कुर्बानियों को कभी नहीं भूलेंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने सोनमर्ग टनल के उद्घाटन पर खुशी व्यक्त की और इसे जम्मू कश्मीर और लद्दाख के लिए एक ऐतिहासिक क्षण बताया। उन्होंने कहा यह टनल न केवल कनेक्टिविटी को बेहतर बनाएगी, बल्कि क्षेत्र के लोगों की जीवनशैली में भी सुधार लाएगी। यह भी बताया कि पहले लैंडस्लाइड के कारण रास्ते बंद हो जाते थे, जिससे जरूरी सामान की आपूर्ति में कठिनाई होती थी लेकिन अब यह समस्या कम हो जाएगी। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने भाषण में 2047 तक भारत को विकसित बनाने का संकल्प में कहा देश का हर हिस्सा, हर परिवार, विकास में आगे बढ़ेगा। जम्मू कश्मीर भी इसके विकास में अहम भूमिका निभाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि पिछले 10 वर्षों में जम्मू कश्मीर में कई महत्वपूर्ण बदलाव हुए हैं, देश में 4 करोड़ से ज्यादा गरीबों को पक्के घर मिले, और आने वाले समय में 3 करोड़ और घर गरीबों को मिलेंगे। प्रधानमंत्री ने जम्मू कश्मीर में चल रहे बुनियादी ढांचे के विकास कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा हम राज्य में सड़क, रेल और टनल कनेक्टिविटी के कई प्रोजेक्ट्स पर काम कर रहे हैं। इनमें से कुछ प्रोजेक्ट्स जैसे सोनमर्ग टनल और उधमपुर–श्रीनगर–बारामूला रेल लिंक परियोजना जम्मू कश्मीर को देश के सबसे कनेक्टेड राज्यों में से एक बनाएंगे। उन्होंने यह भी बताया कि जम्मू कश्मीर में कई खेलो इंडिया केंद्र, नए कॉलेज और चिकित्सा संस्थान बन रहे हैं, जो राज्य के युवाओं के लिए नए अवसर प्रदान कर रहे हैं। इसके अलावा, प्रधानमंत्री ने यह भी बताया कि जम्मू कश्मीर में टूरिज्म को बढ़ावा मिल रहा है और 2024 में 2 करोड़ से अधिक टूरिस्ट राज्य में आए हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने जम्मू कश्मीर के युवाओं के लिए नई शिक्षा और रोजगार संभावनाओं का भी उल्लेख किया। कश्मीर में नए आईआईटी, आईआईएम, मेडिकल कॉलेज, और नर्सिंग कॉलेज स्थापित हो रहे हैं, जो राज्य के युवाओं के लिए बेहतर भविष्य के द्वार खोल रहे हैं। इसके साथ ही उन्होंने जम्मू कश्मीर बैंक की सफलता को भी साझा किया, जो पिछले चार वर्षों में अपने कारोबार को 160,000 करोड़ से बढ़ाकर 230,000 करोड़ तक ले गया है। प्रधानमंत्री ने जम्मू कश्मीर में पर्यटन और खेलों के क्षेत्र में हो रहे विकास की सराहना की। गुलमर्ग अब भारत के लिए विंटर गेम्स की राजधानी बनता जा रहा है। यहां खेलो इंडिया इंटरनेशनल गेम्स हो चुके हैं और इस क्षेत्र में पर्यटन का विकास हो रहा है।

संतों के जरिए जान सकेंगे भारत की आध्यात्मिक विरासत 45 दिन होगा भव्य आयोजन –सीएम योगी

प्रयागराज, (संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 13 जनवरी से 26 फरवरी तक 45 दिन का भव्य आयोजन शनिवार से शुरू हो रहा है। 40 करोड़ आबादी महाकुंभ में आएगी। 40 करोड़ की आबादी दुनिया के अंदर भारत और चीन के अलावा किसी भी देश में नहीं है। मां गंगा, यमुना और सरस्वती की त्रिवेणी के संगम में स्नान करने का सौभाग्य प्राप्त होगा। कहा कि लोगों को उत्तर प्रदेश, भारत को जानने, भारत की आध्यात्मिक विरासत को संतों के माध्यम से जानने और देखने का अवसर प्राप्त होगा। पहली बार कुंभ में अक्षय वट कॉरिडोर, मां सरस्वती, बड़े हनुमान मंदिर, महर्षि व्यास और भगवान राम और निषादराज कॉरिडोर बन गया है। नाग वासुकी और द्वादश ज्योतिर्लिंग और चार धाम की यात्रा का आनंद विप्रिका के माध्यम श्रद्धालु कर सकेंगे। बताया कि 10 हजार एकड़ क्षेत्रफल में आयोजन हो रहा है। 35 लाख श्रद्धालु पहुंच शुक्रवार की रात तक पहुंच चुके थे। अद्भुत उत्साह के साथ यह महाकुंभ शुरू हो रहा है। बाबा गोरखनाथ में खिचड़ी चढ़ाइए। सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत को समझने के लिए कुंभ जरूर जाएं। बताया कि 29 जनवरी 144 वर्ष बाद विशिष्ट संयोग।

मुख्यमंत्री आतिशी करेंगी नामांकन पूजा-कामना के बाद पहुंचेंगी डीएम कार्यालय

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी मार्लेना कालकाजी विधानसभा सीट के लिए आज नामंकन दाखिल करेंगी। वे पहले मंदिर जाएंगी और फिर गुरुद्वारे में कामना के बाद नामांकन के लिए डीएम कार्यलय पहुंचेंगी। कालकाजी विधानसभा सीट से प्रत्याशी व मुख्यमंत्री आतिशी ने चुनाव लड़ने के लिए क्राउड फंडिंग कैंपेन की शुरुआत की है। उन्होंने 40 लाख रुपये जुटाने की बात कही है। आतिशी ने दिल्ली व देशभर के लोगों से अपील करते हुए कहा कि गलत तरीके से रुपये इकट्ठा करना एक मुख्यमंत्री के लिए बहुत आसान है, लेकिन हम ऐसा नहीं करते। दूसरी पार्टियां चुनाव लड़ने के लिए बड़े–बड़े उद्योगपतियों व बिजनेसमैन से पैसे लेती हैं और सत्ता में आने के बाद उनके लिए काम करती हैं। हमें पूरी उम्मीद है कि इस बार भी दिल्ली और देशभर के लोग ंजपीप. ंउकउपचंतजल.वतह लिंक पर जाकर आर्थिक सहयोग देंगे। आतिशी ने प्रेसवार्ता कर कहा कि पार्टी ने 2013 में जब पहला चुनाव लड़ा था तो हम दिल्ली में घर–घर जाते थे। इस दौरान लोग 10 रुपये से लेकर 500 रुपये तक देते थे। इससे आप ने चुनाव लड़ा और जीता। जब हम नुक्कड़ सभा करते थे, तो चादर फैलाते थे और दिल्ली के गरीब से गरीब परिवार से आने वाले लोग भी ईमानदार राजनीति के लिए अपनी क्षमता के अनुसार पैसे डालते थे। गलत तरीके से पैसे इकट्ठे करना बहुत आसान है। दिल्ली का 77 हजार करोड़ रुपये का बजट है। अगर हम गलत तरीके से पैसे इकट्ठा करना चाहें तो 40 लाख रुपये जमा करने में एक दिन भी नहीं लगेगा।

नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों को सिद्धारमैया ने किया खारिज

कर्नाटक,(एजेंसी)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने राज्य के नेतृत्व में बदलाव की अटकलों को खारिज कर दिया। इसके साथ ही उन्होंने उन रिपोर्टों पर कटाक्ष किया कि उनके डिप्टी डीके शिवकुमार उनकी जगह ले सकते हैं। प्रेस क्लब ऑफ बैंगलोर अवार्ड–2024 (पीसीबी) में बोलते हुए, सिद्धारमैया ने आंतरिक संघर्ष के दावों का खंडन किया और ऐसी रिपोर्टों को ष्काल्पनिक पत्रकारिताष् करार दिया। उन्होंने टिप्पणी की, श्मेरी कुर्सी खाली नहीं है, फिर भी पत्रकार लिखते रहते हैं कि मुख्यमंत्री बदल दिया जाएगा। हमें कोई भ्रम नहीं है, लेकिन ये कहानियाँ बनी रहती हैं। सिद्धारमैया ने कहा कि मीडिया को अफवाहों को हवा देने के बजाय सच्चाई दिखानी चाहिए।श यह अभी भी चल रहा है कि सिद्धारमैया जाने वाले हैं, सच कहूं तो पार्टी के अंदर कोई मतभेद नहीं है, लेकिन फिर भी हम रोज देखते हैं, सीएम बदलने वाला है, सीएम बदला जाएगा, कुर्सी खाली नहीं है। मुख्यमंत्री ने उदाहरण के तौर पर मंत्रियों के बीच रात्रिभोज बैठकों का हवाला देते हुए मीडिया की सनसनीखेज प्रवृत्ति की ओर इशारा किया। उन्होंने कहा, ष्अगर हम रात के खाने के लिए इकट्ठा होते हैं, तो इसे राजनीतिक साजिश की चर्चा के रूप में रिपोर्ट किया जाता है, हालांकि वास्तविकता अक्सर इससे कोसों दूर होती है। सिद्धारमैया ने पत्रकारों से अपनी रिपोर्टिंग में सच्चाई और सामाजिक कल्याण को प्राथमिकता देने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि सट्टा पत्रकारिता एक खतरनाक प्रवृत्ति है। प्रकाशन से पहले तथ्यों को सत्यापित करें। कम से कम अपनी रिपोर्ट को सच्चाई के करीब होने दें। 2013 से 2018 के बीच मुख्यमंत्री के रूप में अपने पहले कार्यकाल को याद करते हुए, सिद्धारमैया ने कुछ मीडिया आउटलेट्स द्वारा अंधविश्वास को बढ़ावा देने की आलोचना की। उन्होंने 2016 की एक घटना का जिक्र किया जहां एक समाचार चौनल ने उनकी कार पर एक कौवे के बैठने के बाद उनके राजनीतिक भविष्य की भविष्यवाणी करने के लिए ज्योतिषियों की मेजबानी की थी। उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने शनिवार को कहा कि कर्नाटक के लोगों ने कांग्रेस को पांच साल के लिए आशीर्वाद दिया है और वह और मुख्यमंत्री सिद्धारमैया पार्टी आलाकमान के निर्देशों के अनुसार काम करना जारी रखेंगे। उनके समर्थकों द्वारा उन्हें श्अगला मुख्यमंत्रीश बताए जाने पर शिवकुमार ने कहा कि उन्हें किसी के समर्थन की जरूरत नहीं है और पार्टी उनसे जो कहेगी वह उसका पालन करेंगे। शिवकुमार के प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष की भी जिम्मेदारी है। डीके शिवकुमार ने कहा कि आइए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करें और परिणाम भगवान पर छोड़ दें। मुझे किसी के समर्थन की जरूरत नहीं है, मैं पार्टी बनकर काम करूंगा। उन्होंने लोगों से कहा कि मेरी तरफ से कोई जिद न करे। मुझे किसी का समर्थन नहीं चाहिए।

जयराम रमेश ने चुनावी दंगल में पार्टी की जीत का भरा दम

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने सोमवार को ष्जीवन रक्षा योजनाष् का हवाला देते हुए इस बात पर जोर दिया कि समृद्ध दिल्ली के लिए कांग्रेस जरूरी है। यह योजना 5 फरवरी को होने वाले आगामी दिल्ली विधानसभा चुनावों के लिए पार्टी द्वारा घोषित की गई है। जयराम रमेश ने एक्स पर लिखा कि मिलेगी स्वास्थ्य सुरक्षा, होगी हर जरूरत पूरी, खुशहाल दिल्ली के लिए, कांग्रेस है जरूरी। जीवन रक्षा योजनारू 25 लाख रुपए का मुफ्त इलाज। एक अन्य ट्वीट में जयराम रमेश ने लिखा कि देश के भविष्य युवाओं के लिए कांग्रेस की युवा उड़ान योजना, युवाओं को एक साल की अप्रेंटिसशिप, हर महीने मिलेंगे 8,500 रुपए, होगी हर जरूरत पूरी, कांग्रेस है जरूरी। कांग्रेस ने 8 जनवरी को श्जीवन रक्षा योजनाश की घोषणा की, जिसमें प्रति परिवार 25 लाख रुपये का स्वास्थ्य कवर देने का वादा किया गया। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में यह घोषणा की। गहलोत ने इस योजना को दिल्ली में ष्गेम चेंजरष् बताया। दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस द्वारा घोषित यह तीसरा प्रमुख चुनावी वादा है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के महासचिव सचिन पायलट ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि वित्तीय सहायता 'युवा उड़ान योजना' के तहत प्रदान की जाएगी और यह सहायता मुफ्त में नहीं है। पायलट ने कहा, ''हम उन युवाओं को वित्तीय सहायता प्रदान करेंगे, जो किसी कंपनी, कारखाने या संगठन में अपना कौशल दिखा सकते हैं।

बदलापुर स्कूल यौन हमला प्रकरण की पीड़िताएं बहुत कम उम्र की है, सुनवाई तेजी से हो : उच्च न्यायालय

मुंबई, (एजेंसी)। बंबई उच्च न्यायालय ने कहा कि पिछले वर्ष के बदलापुर स्कूल यौन उत्पीड़न मामले की सुनवाई तेजी से होनी चाहिए, क्योंकि पीड़ित लड़कियां बहुत छोटी हैं। पिछले वर्ष अगस्त में महाराष्ट्र में ठाणे जिले के बदलापुर में एक स्कूल के शौचालय में एक परिचारक ने चार और पांच वर्ष की दो लड़कियों पर कथित रूप से यौन हमला किया था। उसे गिरफ्तार कर किया गया और बाद में जब उसे पूछताछ के लिए जेल से ले जाया जा रहा था तब पुलिस के साथ गोलीबारी में उसकी मौत हो गई थी। महाराष्ट्र सरकार द्वारा गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) ने इस मामले की जांच की और आरोपपत्र दाखिल किया। बाल यौन अपराध संरक्षण अधिनियम (पोक्सो) के प्रावधानों के तहत यौन हमले की 'रिपोर्ट करने में विफल रहने' को लेकर 'परिचारक, स्कूल के

प्रधानाध्यापक और उसके प्रबंधन के दो सदस्यों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया गया था। उच्च न्यायालय ने इस घटना का स्वतः संज्ञान तब लिया जब यह सामने आया कि स्थानीय बदलापुर पुलिस ने मामले में प्राथमिकी दर्ज करने के लिए त्वरित कार्रवाई नहीं की। सरकारी वकील हितेन वेंगांवकर ने न्यायमूर्ति रेवती मोहिते डेरे और न्यायमूर्ति नीला गोखले की पीठ को बताया कि मामले की जांच पूरी हो चुकी है, आरोपपत्र दाखिल किया जा चुका है और अब मुकदमा चलेगा। उच्च न्यायालय ने कहा, '' इस मामले को तेजी से निपटाया जाना चाहिए क्योंकि पीड़ित लड़कियां बहुत छोटी उम्र की हैं।'' पीठ ने कहा कि जैसा कि पोक्सो कानून अधिनियम में व्यवस्था दी गयी है, उसके हिसाब से लड़कियों के परीक्षण के समय एक महिला वकील को उपस्थित रहना होगा। वेंगांवकर ने कहा कि मामले में विशेष सरकारी वकील की सहायता के लिए एक महिला अभियोजक नियुक्त की गई है। पीठ ने मामले की अगली सुनवाई 20 जनवरी को तय की है। तब अभियोजन पक्ष को मुकदमे के चरण के बारे में बताना होगा। 20 जनवरी को उच्च न्यायालय परिचारक के पिता की इस याचिका पर भी सुनवाई करेगा कि कि उनके बेटे की पुलिस ने फर्जी मुठभेड़ में हत्या कर दी।

भाजपा सरकार में कोई भी काम गुणवत्तापूर्ण नहीं हो रहा – अखिलेश यादव

कन्नौज, (संवाददाता)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा की सरकार में कोई भी काम गुणवत्तापूर्ण नहीं हो रहा है। अंग्रेजों के जमाने में बने रेलवे स्टेशन आज भी सुरक्षित हैं। भाजपा सरकार में बनवाए जा रहे रेलवे स्टेशन बनने से पहले ही गिर रहे हैं। सैफई से शनिवार शाम लखनऊ जाते समय अखिलेश यादव आगरा–लखनऊ एक्सप्रेसवे के फगुहा कट पर रुके और पत्रकारों से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने कन्नौज रेलवे स्टेशन पर हुए हादसे को लेकर प्रदेश सरकार पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि यह सरकार ठेके पर ठेका उठाती है। इसके बाद भाजपाई कुछ कार्यदायी संस्था पर दबाव बनाते हैं। इससे कार्य में गुणवत्ता नहीं आ पाती है। सरकार का उद्देश्य है कि जब तक उनकी सरकार चले तब तक ही भवन चले। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार हर छोटे बडे कार्य में भ्रष्टाचार में शामिल है। यह पहली बार देखने को मिल रहा है कि कोई भी काम ठेकेदार को मिलता है, तो उसका आउटसोर्स हो रहा है। बाद में भाजपा के लोग दबाव बनाते हैं। कई चीजों को लेकर जब तक उन्हें संतुष्ट नहीं किया जाता है, तब तक यह काम आगे नहीं बढ़ेगा, उसी का परिणाम है कि ठेकेदार को क्वालिटी से समझौता करना पड़ रहा है। पर्याप्त सुरक्षा के इंतजाम नहीं कर पा रहा है। गुणवत्ता खराब हो रही है। इसी वजह से हादसे हो रहे हैं। बड़े–बड़े कंस्ट्रक्शन हुए हैं।

अत्यन्त दुःखद समाचार :

पंछियों और कुत्तों को बिस्कूट और ब्रेड प्रतिदिन खिलाने वाले इंजीनियर साहब अब नहीं रहे .. विनम्र श्रद्धांजलि

दैनिक देश की उपासना

जौनपुर। भारतीय रेलवे के इंजीनियरिंग सेवा से सेवानिवृत्त इंजीनियर श्री विक्रमादित्य विश्वकर्मा जी हमारे बीच नहीं रहे। दिनांक 14–01–2025 को प्रातःकाल हृदय गति रुक जाने से इनका आकस्मिक निधन हो गया। ग्राम बराई कला, मड़ियाहूं ,जौनपुर निवासी श्री विक्रमादित्य विश्वकर्मा वर्ष 2010 में सेवानिवृत्त होकर गांव में ही परिवार जन के साथ रह रहे थे।

प्रति दिन सुबह–शाम स्थानीय बाजार ब्लाक रामनगर से पंछियों के लिए बिस्कूट और कुत्तों के लिए ब्रेड खरीद कर वितरित करना उनके सेवानैवृत्तिक जीवन का हिस्सा बन चुका था। उनकी मानवीय सोच थी कि वह जो पेंशन पा रहे हैं उसमें इन निरीह प्राणियों का भी हिस्सा है।

उल्लेखनीय है कि कुछ दिन पूर्व ही श्री विक्रमादित्य विश्वकर्मा जी,अ–मोक्ष साधना केंद्र, आचार्य निकेतन, मंगलम परिसर बराईंकला मड़ियाहूं जौनपुर पर परिचर्चा के लिए आये थे।

अ–मोक्ष साधना केंद्र के परिवार जन ईश्वर से प्रार्थनारत हैं कि वह दिवंगत को आत्मशान्ति और उनके परिवार जन तथा शुभेच्छु जन को इस असहनीय दःख से उबरने हेतु शक्ति प्रदान करें,उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं

शिव शंकर द्विवेदी, संयुक्त सचिव सेवानिवृत्त उत्तर प्रदेश शासन।

खरगे-प्रियंका ने की महाकुंभ के सफल आयोजन की कामना

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे तथा पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने पौष पूर्णिमा पर देशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए सोमवार से प्रयागराज में शुरू हो रहे महाकुंभ की सफलता की कामना की और कहा कि यह हजारों साल पुरानी आस्था, धार्मिक संस्कृति और आध्यात्मिक परंपरा से जुड़ा मानवता का महाउत्सव है जो भाईचारे, सामाजिक सौहार्द, सद्भाव और समानता का संदेश देता है। खरगे ने अपने संदेश में कहा, "मेरे प्यारे देशवासियों, आज विश्व की प्राचीनतम संस्कृति संगम, तीर्थ राज प्रयागराज में महाकुंभ का शुभारंभ हो गया है। ये भारत की आध्यात्मिक व सांस्कृतिक विरासत का महापर्व है। इस पावन आयोजन के अवसर पर कांग्रेस की ओर से मैं सभी देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएँ देता हूँ। लाखों करोड़ों की संख्या में अगले डेढ़ महीने तक चलने वाले त्रिवेणी संगम के पारंपरिक महोत्सव में पधारे सभी साधु, संत, पंथ, समुदाय और जनता जनार्दन, एकजुट होकर जाति, वर्ण, और वर्ग के भेदभाव मिटाकर भारत की महान संस्कृति का परिचय पूरे विश्व को देंगे।" उन्होंने कहा, "छुआछूत, ऊँच–नीच,भेदभाव, अंधविश्वास को छोड़कर हम सभी देश की विविधता में एकता के शाश्वत मूल्यों को अपनाकर सौहार्द, सद्भाव, भाईचारे व आपसी प्रेम का संदेश देंगे। अध्यात्म, भक्ति, आस्था व श्रद्धा के इस ऐतिहासिक विहंगम दर्शन महाकुंभ का आयोजन सफल रहे, समानता और एकजुटता का प्रतीक बने, हमारी यही कामना है।" खरगे ने पंडित जवाहरलाल नेहरू की प्रसिद्ध पुस्तक श्द डिस्कवरी ऑफ इंडियाश में महाकुंभ मेले के वर्णन को उद्धृत करते हुए लिखा, "अपने शहर इलाहाबाद या हरिद्वार में मैं महान स्नान उत्सव, कुंभ मेले में जाता था और देखता था कि लाखों लोग आते हैं, जैसे उनके पूर्वज हजारों सालों से भारत भर से गंगा में स्नान करने आते थे। मुझे तेरह सौ साल पहले चीनी तीर्थयात्रियों और अन्य लोगों द्वारा लिखे गए इन त्योहारों के विवरण याद हैं। तब भी ये मेले प्राचीन थे और अज्ञात पुरातनता में खो गए थे। आश्चर्य इस बात का है कि वह कौन सी अद्भुत आस्था है जिसने अनगिनत पीढ़ियों से हमारे लोगों को भारत की इस प्रसिद्ध नदी की ओर खींचा है?" वाड्रा ने कहा, "लोक आस्था और असीम श्रद्धा के पावन पर्व पौष पूर्णिमा की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। आज से तीर्थराज प्रयाग में पवित्र गंगा स्नान एवं महाकुंभ का शुभारंभ हो रहा है। मां गंगा की अमृतधारा में करोड़ों श्रद्धालु डुबकी लगाएंगे। महाकुंभ हमारी हजारों साल पुरानी आस्था, धार्मिक संस्कृति और आध्यात्मिक परंपरा से जुड़ा मानवता का उत्सव है। करोड़ों देवताओं, श्रद्धालुओं और संतों को प्रणाम करते हुए देश के कल्याण की कामना करती हूं।"

उप मुख्यमंत्री विजय सिन्हा के दही–चूड़ा भोज में पहुंचे राज्यपाल

पटना, (एजेंसी)। बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान सोमवार को उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा के मकर संक्रांति के एक दिन पूर्व आयोजित दही–चूड़ा भोज में सम्मिलित हुए। इस मौके पर उन्होंने कहा कि वह प्रयागराज महाकुंभ में भी जा रहे हैं। दरअसल, उप मुख्यमंत्री सिन्हा सोमवार के आवास पर स्वामी विवेकानंद जयंती पखवाड़ा (राष्ट्रीय युवा दिवस) एवं मकर संक्रांति की पूर्व संध्या पर दही–चूड़ा भोज एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बिहार राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए और चूड़ा, दही, तिलकुट खाया।

संपादकीय

धधकता लॉस एंजेलिस

लॉस एंजेलिस में जंगल की बेकाबू आग फैलने और भारी जन–ध ान की क्षति ने साबित किया है कि दुनिया की नंबर एक महाशक्ति भी कुदरत के रौद्र के सामने बौनी ही साबित हुई है। जंगल की आग ने भड़कने के बाद कई शहरी इलाकों को चपेट में ले लिया। खरबों रुपये की संपत्ति और प्राकृतिक संपदा के नष्ट होने के अलावा करीब दो लाख लोगों को विस्थापित होना पड़ा है। आलीशान बंगलों व सरकारी संरचना तथा नागरिक सुविधा के साधनों के स्वाह होने के साथ करीब बारह लोगों के मारे जाने की खबर है। करीब दो लाख लोगों को घर–बार छोड़कर जाने के लिये तैयार रहने को कहा गया है। दमकल विभाग व सुरक्षा बलों की तमाम कोशिशों के बावजूद आग बेकाबू है। लोग असहाय होकर अपनी जीवन भर की पूंजी को स्वाह होते देख रहे हैं। जलवायु परिवर्तन के चलते तल्ख होते मौसम से हालात और खराब होने की आशंका जतायी जा रही है। आग के बाद का जो मंजर नजर आ रहा है उसे देखकर ऐसा लगता है मानो कोई बम गिराया गया हो। विडंबना यह है कि आपदा में अवसर तलाशने वाले कुछ लोग खाली कराये गए घरों में लूटपाट से भी बाज नहीं आ रहे हैं। हॉलीवुड हिल्स इलाके में करीब साढ़े पांच हजार से अधिक इमारतों के नष्ट होने की खबर है। कई नामी फिल्मी हस्तियों के घर, व्यावसायिक इमारतें व सार्वजनिक संस्थान आग की भेंट चढ़े हैं। अमेरिका के इतिहास में यह जंगल की आग सबसे भयावह साबित हुई है। चिंता की बात यह है कि इलाके में हाल–फिलहाल बारिश होने की संभावना नहीं है, जिससे जंगल की आग जल्दी काबू में आ सकती। एक बड़े इलाके में बिजली आपूर्ति ठप होने व पानी की आपूर्ति में बाधा संकट को और बढ़ा रही है। लोगों की सुरक्षित स्थानों में जाने के लिये अफरा–तफरी से जगह–जगह ट्रैफिक जाम लग रहे हैं। पानी का दबाव कम होने से दमकल कर्मियों को आग बुझाने में परेशानी आ रही है। दरअसल यह आग लॉस एंजेलिस के उत्तरी भाग में लगी, जिसने बाद में कई बड़े शहरों को अपनी चपेट में ले लिया। तेज हवाओं व सूखे मौसम के कारण आग ज्यादा भड़की है। सूखे पेड़–पौधे तेजी से आग की चपेट में आ गए। हालांकि, आग लगने का ठोस कारण अभी तक पता नहीं चला है। हकीकत है कि जंगलों में 95 फीसदी आग इंसानों द्वारा ही लगायी जाती है। वैसे जलवायु परिवर्तन प्रभावों के चलते बदले हालात में अब पूरे साल आग लगने की आशंका बनी रहती है। बारिश की कमी से सूखा और तेज हवाएं आग में घी का काम करती हैं। मौसम का गरम रहना व बारिश की कमी भी आग के लिए ज्वलनशील परिस्थितियां बनाते हैं। इस बार आग को भड़काने में सौ मील प्रति घंटा की रफ्तार से चलने वाली सेंटा एना हवाओं की भी बड़ी भूमिका रही है। इस बार ये हवाएं असामान्य रूप से बहती रही हैं। इलाके में राख के बारीक कणों व ध ुएं की चादर के कारण स्थानीय स्वास्थ्य इमरजेंसी घोषित की गई है।

अपनी निजी दुनिया के भी मालिक नहीं हैं हम

ज्योति

शुक्रवार को द ट्रिब्यून में दो खबरें छपीं, एक थी पंजाब में बिगड़ते लिंगानुपात पर और दूसरी देश में कहीं भी समलैंगिक जोड़ों को विवाह करने की अनुमति देने से सुप्रीम कोर्ट के इनकार को लेकर, प्रथम दृ ष्टतया ये दोनों एक–दूसरे से अलग और असंबद्ध लग सकती हैं। लेकिन प्रिय पाठक जरा गौर से बांचें। दोनों को जोड़ने वाली एक चीज कॉमन है दृ एक ऐसी चीज जो किसी की निजी पसंद के विचार का विरोध करती है। आप क्या पहनेंगे, किसके साथ बाहर जाएंगे, किसे वोट देंगे, क्या खाए–पीएंगे, किससे–कैसे–कब और क्यों शादी करनी है, जिससे आप शादी करना चाहते हैं वह कौन हो३ शायद इस किस्म की रोकों की शुरुआत तब से होने लगती है, कि क्या आप अपनी कन्या के भ्रूण को गर्भावस्था काल पूरा करने और एक पूर्ण विकसित शिशु बनने की अनुमति देते हैं। सच तो यह है कि द ट्रिब्यून में छपी ये दोनों खबरें नियंत्रण बनाने के विचार से जुड़ी हुई हैं। किसी को यह पसंद नहीं है कि आप एक कन्या हैं, इसलिए आपसे छुटकारा पाना चाहता है। किसी और को यह पसंद नहीं है कि आप समान लिंग के किसी व्यक्ति से विवाह कर रहे हैं, भले ही आप उस व्यक्ति से प्यार करते हों, क्योंकि यह 'पवित्र विवाह' के प्रचलित विचार के विरुद्ध है। विवाह एक सामाजिक अनुबंध मात्र है और उसे उन छवियों के आधार पर भंग करना गवारा नहीं, जो मुझे मंजूर नहीं। मुझे नियंत्रण रखना चाहिए। मैं ही न्यायाधीश, मैं ही ज्यूरी और सजा को अमल में लाने वाला भी, और मैं आपसे बेहतर जानता हूं। अजीब बात यह है कि यह कोई और नहीं बल्कि इस संविध ान का रक्षक सर्वोच्च न्यायालय है दृ जिसकी 75वीं वर्षगांठ हमने कुछ सप्ताह पहले ही बहुत जोर–शोर से मनाई थी दृ वह इस मामले में आगे होकर मुख्य भूमिका निभा रहा है। इसलिए, जब न्यायालय ने बीते गुरुवार को समलैंगिक जोड़ों को विवाह की अनुमति से इनकार करने वाले 2023 के एक फैसले को चुनौती देने वाली एक समीक्षा याचिका को खारिज कर दिया दृ जिसे कई ने संविधान के तहत उनके मौलिक अधिकारों के हनन के रूप में चुनौती दी थी दृ तो यह प्रभावी रूप से लाखों समलैंगिक जोड़ों को जता रहा था कि वह बेहतर जानता है। अब, आइए इस बारे में एक पल विचार करें। सुप्रीम कोर्ट की पांच जजों वाली पीठ– जिनमें से एक हमारे ही पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के एक काबिल बेटे, जस्टिस सूर्यकांत हैं दृ ने मूल रूप से घोषणा कर दी कि आप किससे शादी कर सकते हैं और किससे नहीं, इस बारे में यह अदालत फैसला करेगी। यह ठीक है कि आप भले ही अपने बेडरूम के बंद दरवाजों के पीछे जो चाहें करें,लेकिन सार्वजनिक तौर पर आपको कुछ सामाजिक नियमों का पालन करना होगा। यहां पर यह हम बेबस लोगों के लिए एक संदेश है दृ साधारण लोगों में वो, जिन्हें समान लैंगिक वर्ग के इंसान से प्यार है और उनके साथ जीवन बिताना चाहते हैं और गोद लेकर अथवा सरोगेसी के जरिये अपने बच्चे पैदा करना चाहते हैं,संयुक्त जीवन बीमा पॉलिसी लेते हैं और साथ में छुट्टियां मनाने जाते हैं और स्कूल के आवेदन पत्रों पर गर्व से लिखते हैं कि हम दोनों इस बच्चे के माता–पिता हैं। उनके लिए संदेश यह है : 'वे अपनी निजी दुनिया के मालिक नहीं हैं'। यह कि समलैंगिक और विषमलैंगिक जोड़ों के बीच 'लक्ष्मण रेखा' पूरी तरह स्थापित है और मजबूती से है, और यदि हम इसे पार करने की हिमाकत करते हैं, तो हमें इसके परिणाम भुगतने पड़ेंगे। बिना शक, माननीय पीठ ने खुद पर भेदभाव करने के प्रत्याशित आरोप से बचने को कहा : विवाह का 'मनमाफिक अधिकार नहीं है'। हालांकि किसी विषमलैंगिक जोड़े को यह समझाने की कोशिश करें(न तो यह लेख वैवाहिक बलात्कार को अपराध मानने से न्यायालय के लगातार इनकारों की तरफ इशारा कर रहा है या न ही इस बिंदु पर कि कोई अविवाहित महिला सरोगेट मातृत्व के जरिए बच्चे को जन्म क्यूं नहीं दिलवा सकती दृ अन्य विवादास्पद मामलों को न भी छेड़ें तो)। तो बात यह है। साल 2018 में, एक साहसी और निडर निर्णय में सुप्रीम कोर्ट ने धारा 377 को खारिज कर दिया था, ऐसा करते हुए हमारे इतिहास की किताबों में उस धारा को जड़ से हटा दिया, जिसमें 1861 के युग के कानून के तहत दो समलैंगिकों के बीच यौन संबंध ा बनाने को अपराध घोषित कर रखा था। सर्वोच्च न्यायालय का इस पर आया फैसला बिल्कुल सही काम था और देश ने न्यायालय की श्लाघा की, क्योंकि यह समान अधिकारों के पक्ष में एक कदम था। यह संविधान की भावना के पक्ष में था। वर्तमान याचिकाएं ध ारा 377 को न्यायालय द्वारा खारिज किए जाने के बाद अगला स्वाभाविक कदम थीं। यह कि समलैंगिक जोड़ों की मांग थी कि अब जब आपने हमें कोठरी से बाहर आने दिया है, तो हमें भी आपके जैसा बनने दें। अब सीधे आते हैं, बीते गुरुवार पर, जिस दिन समलैंगिक शादी की अनुमति से इनकार करके, माननीय न्यायालय सीधा यह कहना चाह रहा है कि दो समलैंगिक वयस्कों के बीच ऐसे रिश्ते को औपचारिक रूप देना बिल्कुल भी ठीक नहीं है। बेशक, सवाल यह उठेगा कि क्यों। क्योंकर पांच या वास्तव में आठ जज दृ अगर आप 2023 के फैसले में शामिल उन जजों को भी गिन लें, जिसमें एक पीठ के तीन न्यायाधीशों का झुकाव समलैंगिक विवाह को जीवन–बंध ान की सीमा से बाहर रखने के पक्ष में था दृ को ऐसा क्यों लग रहा है कि प्रेम और विवाह के बारे में वे उन लोगों से ज़्यादा जानते हैं जो वास्तव में इसे जी रहे हैं? उन्हें ऐसा क्यों लगता है कि वे बेहतर जानते हैं? क्या वे वाकई बेहतर जानते हैं? दरअसल, नियंत्रण बनाने का यह प्रयास आरंभ से ही शुरू हो जाता है, ठीक उस समय से, जब आप एक भ्रूण होते हैं, यहां तक कि एक बच्चा बनने से भी पहले से, एक महिलाध्पुरुष की तो बात ही छोड़िए। साल 1994 में, भारत ने 'गर्भाधान पूर्व और प्रसव पूर्व निदान तकनीक अधि ानियम' नामक एक कानून पारित किया था, जिसमें अजन्मे बच्चे के

लिंग के बारे में चिकित्सकीय पहचान करने पर रोक लगा दी गई थी। दीपकमल कोचर द्वारा द ट्रिब्यून में प्रकाशित एक लेख में, पंजाब भर के नागरिक पंजीकरण डाटा का हवाला देते हुए बताया गया है कि 2023 में पंजाब के कुछ हिस्सों में लिंगानुपात वास्तव में काफी बिगड़ गया है दृ सबसे खराब स्थिति पठानकोट और गुरदासपुर में है, वहां 1,000 लड़कों की तुलना में क्रमशः केवल 864 और 888 लड़कियां पैदा हुईं दृ क्योंकि कानून की अवहेलना करते हुए कन्या भ्रूण हत्या, तमाम तरह के अवैध गर्भपात अभी भी जारी हैं। शायद न्यायालय आदर्श दंपति की तस्वीर पेश करने का प्रयास कर रहा है दृ दो बच्चों के साथ 'हम दो, हमारे दो' वाले आदर्श पति–पत्नी। शायद यह सोच अवचेतन रूप से उस संस्कारी आदर्श का अनुकरण करने से बनी है, जिसे दक्षिणपंथी बढ़ावा देते हैं, जिसमें परिवार का मुखिया पुरुष है और उसका साथ देने वाली महिला रूपी मां जो बच्चों को सुरक्षा एवं देखभाल प्रदान करे। शायद यह सच में मान बैठी है कि ऐसे मामलों से उसका सरोकार नहीं जिनके बारे में संसद या राज्य विधानसभाओं को ही बेहतर जानना चाहिये। शायद सर्वोच्च न्यायालय को यह अहसास नहीं है कि यह 'एक राष्ट्र, एक खुशहाल परिवार' का यह निर्माण ठीक वही है दृ एक मानव निर्मित अवधारणा, जो वास्तविकता से कोसों दूर है। हमारे देश की भीड़भाड़ वाली अदालतों पर एक नजर डालें, जहां समाज के हर तबके के लोग न्याय पाने की दुहाई डाल रहे हैं या नेटफ्लिक्स पर मिर्जापुर जैसे धारावाहिकों के जरिये जीवन के पहलू पर एक नजर डालें दृ या फिर अन्ना करेनिना के पहले अध्याय अथवा महाभारत धारावाहिक पर– ये आपको समाज की ऊपरी सतह के नीचे व्याप्त निरंतर अराजकता का कुछ अंदाजा लगाने के लिए काफी है। यही इस लेख का उद्देश्य है। देश के कानून और अदालतों की उन मामलों में दखलअंदाजी करना जरूरी है जहां अधिकारों का हनन हो रहा हो। वयस्कों द्वारा आपसी सहमति से बनाई दुनिया में दखल देने का उनका कोई काम नहीं, चाहे वे किसी भी रंग, लिंग या आकार के हों।

मनुष्य का जीवन बदल देती है सत्संगति

डॉ. योगेन्द्र

हमारे समाज में अनेक ऐसे उदाहरण मिलते हैं, जब बहुत बुरा व्यक्ति सत्संगति के कारण पाप और बुराई के रास्ते को छोड़कर अच्छाई और पुण्य के मार्ग पर चलकर प्रसिद्ध हुआ। अंगुलिमाल की कथा तो सभी जानते हैं। आज ऐसी प्रेरक बोधकथा पढ़ने को मिली, जो आपसे साझी करना जरूरी लगता है रू 'एक चोर ने राजा के महल में चोरी की। सिपाहियों को पता चला, तो उन्होंने उसके पदचिह्नों का पीछा किया। उन्होंने चोर के पदचिह्न पास के गांव की ओर जाते देखे। गांव में जाकर उन्होंने देखा कि एक संत वहां सत्संग कर रहे हैं। चोर के पदचिह्न भी उसी ओर जा रहे थे, अतः सिपाहियों को संदेह हुआ कि चोर भी सत्संग में ही लोगों के बीच बैठा होगा। वे वहीं खड़े रहकर उसका इंतजार करने लगे। सत्संग में संत कह रहे थे, 'जो मनुष्य सच्चे हृदय से भगवान की शरण चला जाता है, भगवान उसके सम्पूर्ण पापों को सदा माफ कर देते हैं।' संत ने कहा, 'जो भगवान का हो गया, उसका तो मानो दूसरा जन्म हो गया। अब वह पापी नहीं रहा, बल्कि साधु हो गया। अगर कोई पथभ्रष्ट भी अनन्य भक्त होकर प्रभु का भजन सच्चे मन से करता है, तो उसको साधु ही मानना चाहिए।' चोर वहीं बैठा यह सब सुन रहा था। उस पर सत्संग की बातों का बहुत ही गहरा असर पड़ा और उसने वहीं बैठे–बैठे यह दृढ़ निश्चय कर लिया कि 'अभी से मैं भगवान की शरण लेता हूं, अब मैं कभी चोरी नहीं करूंगा। मैं अब भगवान का हो गया हूं।' सत्संग समाप्त हुआ। लोग उठकर बाहर जाने लगे। चोर बाहर निकला तो सिपाहियों ने उसके पदचिह्नों को पहचान लिया और उसको पकड़ कर राजा के सामने पेश किया। राजा ने चोर से पूछा, 'इस महल में तुम्हीं ने चोरी की है न? सच–सच बताओ, तुमने चुराया हुआ धन कहां रखा हुआ है?' राजा ने चोर की परीक्षा लेने की आज्ञा दी, जिससे पता चले कि वह झूठा है या सच्चा। चोर के हाथ पर पीपल के ढाई पत्ते रखकर उसको कच्चे सूत से बांध दिया गया। फिर उसके ऊपर गर्म करके लाल किया हुआ लोहा रखा, परंतु उसका हाथ जलना तो दूर रहा, सूत और पत्ते भी नहीं जले। राजा ने सोचा कि 'वास्तव में इसने चोरी नहीं की, यह निर्दोष है।' और राजा सिपाहियों पर बहुत नाराज हुआ कि 'तुम लोगों ने एक निर्दोष पुरुष पर चोरी का आरोप लगाया है। तुम लोगों को दण्ड दिया जायेगा।' यह सुनकर चोर बोला, 'नहीं महाराज! आप इनको दण्ड न दें। इनका कोई दोष नहीं है। चोरी मैंने ही की थी।' राजा बोला, 'तुम इन पर दया करके

इनको बचाने के लिए ऐसा कह रहे हो, पर मैं इन्हें दण्ड अवश्य दूंगा।' तब चोर बोला, 'महाराज! मैं झूठ नहीं बोल रहा हूं, चोरी मैंने ही की थी। मैंने चोरी का धन जंगल में जहां छिपा रखा है, वहां से लाकर दिखा दूंगा।' राजा ने अपने सिपाहियों को चोर के साथ भेजा, तो चोर ने वहां से धन लाकर राजा के सामने रख दिया। यह देखकर राजा को बड़ा आश्चर्य हुआ। राजा बोला, 'अगर तुमने ही चोरी की थी, तो परीक्षा करने पर तुम्हारा हाथ क्यों नहीं जला?' तुम्हारा हाथ भी नहीं जला और तुमने चोरी का धन भी लाकर दे दिया, यह बात हमारी समझ में नहीं आ रही है। ठीक–ठीक बताओ, बात क्या है? चोर बोला, 'महाराज! चोरी करने के बाद मैंने धन को जंगल में छिपाया और मैं गांव में चला गया। वहां सत्संग हो रहा था। मैं भी लोगों के बीच जाकर बैठ गया। सत्संग में मैंने सुना कि 'जो भगवान की शरण लेकर पुनः पाप न करने का निश्चय कर लेता है, उसको भगवान सब पापों से मुक्त कर देते हैं। उसका नया जन्म हो जाता है।' इस बात का मुझ पर असर पड़ा और मैंने दृढ़ निश्चय कर लिया कि 'अब मैं कभी चोरी नहीं करूंगा। अब मैं भगवान का हो गया हूं, इसीलिए तब से मेरा नया जन्म हो गया। अब चूंकि इस जन्म में मैंने कोई चोरी नहीं की, इसलिए मेरा हाथ नहीं जला। आपके महल में मैंने जो चोरी की थी, वह तो मैंने पिछले जन्म में की थी।' राजा को आश्चर्य था कि सत्संग का ऐसा दिव्य प्रभाव होता है कि मात्र कुछ क्षण के सत्संग ने ही चोर का जीवन पलट दिया। उसे सही समझ देकर पुण्यात्मा, धर्मात्मा बना दिया और चोर सत्संग में सुने वचनों में दृढ़निष्ठा से कठोर परीक्षा में भी सफल हो गया और उसका जीवन पूरी तरह बदल गया है।'

बाबा साहेब की विचारधारा और हिंदू राष्ट्रवादी राजनीति से मेल खाती है?

कमल

अम्बेडकर और हिन्दुत्व विचारध ारा के सबसे मुख्य मतभेदों को छिपाया जा रहा है। 13 अक्टूबर 1935 कों नासिक के निकट येओला में एक सभा को संबोधित करते हुए अम्बेडकर ने एक धमाकेदार बात कही, श्मैं एक हिंदू के रूप में नहीं मरूंगाश। उनके अनुसार इस धर्म में स्वतंत्रता, करूणा और समानता के लिए कोई स्थान नहीं है। जहां एक ओर अमित शाह द्वारा लोकसभा में किए गए बाबा साहेब के घोर अपमान की सारे देश में तीव्र निंदा हो रही है, वहीं दक्षिणपंथी हिंदू राष्ट्रवादी विचारक और चिंतक यह आख्यान सृजित करने में जुटे हुए हैं कि बाबा साहेब और सावरकर–आरएसएस तथा विशेषकर भाजपा में साम्यता थी (बलबीर पुंज एक्स परस्र द रिसरेक्शन ऑफ डॉ. अम्बेडकर)। वे बाबा साहेब अम्बेडकर (बीए) के विस्तृत रचना संसार में से चुनिंदा हिस्से, कुछ इध ार से और कुछ उधर से, उठाकर ऐसी तस्वीर पेश करने का प्रयास कर रहे हैं कि बाबा साहेब हिंदुत्व की विचारधारा के प्रशसंक थे। वे अंबेडकर के इस कथन का हवाला देते हैं कि श्स्वामी श्रद्धानंद अस्पृश्यों के सबसे संजीदा हितैषी थेश। वे इस बात को नजरअंदाज कर देते हैं कि स्वामी मुस्लिमों को हिंदू बनाने के श्शुद्धिकरणश के कार्य से जुड़े हुए थे। इससे मुस्लिम मौलवी नाराज थे। इस शुद्धि के बारे में अम्बेडकर का कहना था – श्यदि हिंदू समाज अपना अस्तित्व कायम रखना चाहता है, तो उसे अपनी संख्या बढ़ाने पर ध्यान देने के बजाय अपनी एकजुटता को मजबूत करने का प्रयास करना चाहिए। और इसका मतलब है जाति का उन्मूलन. जाति के उन्मूलन से ही हिंदू संगठित हो सकते हैं और जब वे जाति के उन्मूलन के जरिए संगठित होंगे, तब शुद्धि की जरूरत ही नहीं रहेगीश। यह तबलीगी जमात की तंजीम के समानांतर और उसके विपरीत धारा थी, जो हिंदुओं का ध ार्मपरिवर्तन कर उन्हें मुसलमान बनाने के प्रयासों में जुटी थी। हालांकि श्रद्धानंद बाद में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में शामिल हो गए, लेकिन वे हिंदू संगठन से भी जुड़े हुए थे, जो हिंदू राष्ट्र के प्रति प्रतिबद्ध हिंदू महासभा का हिस्सा था। कई नए–नए दावे किए जा रहे हैं जैसे अम्बेडकर और सावरकर एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। यह सच है कि सावरकर ने पतित पावन मंदिर का निर्माण करवाया था जिसमें दलितों को आने की इजाजत थी। अम्बेडकर का मानना था कि यह एक ऐसा मंदिर बनकर रह जाएगा जिसमें सिर्फ दलित आएंगे। श्बहिष्कृत भारतश के 12 अप्रैल 1929 के अंक में प्रकाशित संपादकीय में जिक्र है कि अम्बेडकर ने शुरू से ही पतित पावन मंदिर के निर्माण का विरोध किया था। उनका मानना था कि ऐसे मंदिरों को बाद में अछूतों के मंदिरों के नाम से पुकारा जाने लगेगा। हालांकि अम्बेडकर ने सावरकर के प्रयासों की प्रशंसा की मगर उनका मानना था कि ऐसे प्रयास अप्रासंगिक हैं। इसी तरह की कुछ और बातें हिंदुत्ववादी विचारक कहते हैं। वे अम्बेडकर और कांग्रेस में मतभेदों का मुद्दा बढ़–चढ़कर उठाते हैं। उनका तर्क यह रहता है कि गांधी और पटेल की मृत्यु के बाद नेहरू निरंकुश हो गए और विपक्ष की उपेक्षा करने लगे। जैसा कि अमित शाह ने कहा कि अम्बेडकर ने नेहरूजी की मंत्रिपरिषद से इस्तीफा अनुच्छेद 370, विदेश नीति और अनुसूचित जातिध्जनजाति वर्ग की स्थिति जैसे मुद्दों पर नेहरूजी से मतभेदों के कारण दिया। वास्तविकता यह है कि अम्बेडकर द्वारा मंत्रिपरिषद से इस्तीफा दिए जाने का सबसे बड़ा कारण था हिंदू कोड बिल के प्रति अपनाए जा रहे उपेक्षापूर्ण रवैये को लेकर उनकी निराशा। आरएसएस द्वारा इसका जबरदस्त विरोध किया जा रहा था और सभाएं आयोजित की जा रही थीं. उसके कार्यकर्ता संसद के समक्ष प्रदर्शन कर रहे थे। इसका शीर्ष था दिल्ली के रामलीला मैदान में 11 दिसंबर 1949 को किया गया आयोजन जिसमें नेहरू और अंबेडकर के पुतले जलाए गए।

हिंदू कोड बिल का विरोध करते हुए आर्गनाईजर ने 7 दिसंबर 1949 के अंक में लिखा– श्हम हिंदू कोड बिल का विरोध करते हैं। हम इसका विरोध इसलिए कर रहे हैं क्योंकि यह एक अपमानजनक बिल है जो अनैतिक एवं विदेशी विचारों पर आध ारित है। यह हिंदू कोड बिल नहीं है। इसमें हिंदू जैसा कुछ भी नहीं हैश। आरएसएस के इस आक्रामक अभियान का नतीजा यह हुआ कि हिंदू कोड बिल को पारित करने में देरी हुई और इसके प्रावधानों को कमजोर कर दिया गया। यह बाबा साहेब के लिए अत्यंत पीड़ादायी क्षण था और इसी कारण उन्होंने इस्तीफा दिया। मनुस्मृति व चातुर्वर्ण्य ऐसे मुद्दे थे जिन पर अम्बेडकर एक ओर और सावरकर से लेकर भाजपा दूसरी ओर नजर आते हैं और दोनों पक्षों में गंभीर मतभेद हैं। जहां 25 दिसंबर 1927 को बाबा साहेब ने मनुस्मृति का दहन किया वहीं आरएसएस के द्वितीय सरसंघचालक एम. एस. गोलवलकर ने अपने लेखन में मनुस्मृति का स्तुतिगान किया। सावरकर चातुर्वर्ण्य के प्रति अपने समर्थन की चर्चा विस्तार से करते हैं और मनुस्मृति की प्रशंसा करते हैं। श्मनुस्मृति वह शास्त्र है जो हिंदू राष्ट्र के लिए वेदों के बाद सबसे अधिक पूजनीय है और जो प्राचीनकाल से हमारी संस्कृति, रीति–रिवाजों, विचारों और क्रियाकलापों का आधार रहा है। इस पुस्तक ने सदियों से हमारे देश के आध्यात्मिक एवं दैवीय विकास को संहिताबद्ध किया है। आज भी करोड़ों भारतीय मनुस्मृति पर आधारित नियमों का पालन करते हैं। आज मनुस्मृति हिंदुओं का विधिशास्त्र है। यह हमारा मूल आधार हैश। और श्भारत के नए संविधान के बारे में सबसे बुरी बात यह है कि उसमें कुछ भी भारतीय नहीं है...इसमें प्राचीन भारतीय विधि ा, संस्थानों, और शब्दावली का जरा सा भी जिक्र नहीं हैश। अम्बेडकर और हिन्दुत्व विचारधारा के सबसे मुख्य मतभेदों को छिपाया जा रहा है। 13 अक्टूबर 1935 कों नासिक के निकट येओला में एक सभा को संबोधित करते हुए अम्बेडकर ने एक धमाकेदार बात कही, श्मैं एक हिंदू के रूप में नहीं मरूंगाश। उनके अनुसार इस धर्म में स्वतंत्रता, करूणा और समानता के लिए कोई स्थान नहीं है। उनकी पुस्तक श्थाट्स ऑन पाकिस्तानश के संशोधित संस्करण में वे इस्लामिक पाकिस्तान के निर्माण का विरोध इसलिए करते हैं क्योंकि इससे हिंदू राज या राष्ट्र का मार्ग प्रशस्त होगा और यह यहां की जनता के लिए एक बड़ी त्रासदी होगी। उनकी इस घोषणा के बाद उन पर सिक्ख या इस्लाम धर्म ग्रहण करने के लिए बहुत दबाव डाला गया। हिंदू महासभा के डॉ. मुंजे ने उनसे एक समझौता किया कि यदि वे इस्लाम धर्म ग्रहण नहीं करेंगे ।

संभल मामले में योगी की नयी टिप्पणी

मयांक

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समाचार चौनल के मंच से कहा है कि अगर धर्मग्रंथों और पुरातात्विक साक्ष्यों से पता चलता है कि संभल में कल्कि को समर्पित हरिहर मंदिर शाही जामा मस्जिद के निर्माण से पहले मौजूद था, तो मुस्लिम समुदाय को इस मुगलकालीन मस्जिद को सम्मानजनक तरीके से हिंदुओं को सौंप देना चाहिए, श्री योगी ने संभल की शाही जामा मस्जिद के संदर्भ में यह भी कहा कि किसी को श्किसी भी विवादित ढांचेश को मस्जिद के रूप में संदर्भित नहीं करना चाहिए। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री योगी की ये टिप्पणियां दिसंबर 2024 के सुप्रीम कोर्ट के आदेश की पृष्ठभूमि में आई हैं, जिसमें देश की अदालतों को अन्य धार्मिक स्थानों पर दावा करने वाले किसी भी नए मुकदमे को दर्ज नहीं करने का निर्देश दिया गया है. इस बयान से ऐसा लगता है मानो योगी आदित्यनाथ अब अल्पसंख्यकों को सीधे–सीधे चेतावनी दे रहे हैं। हालांकि वे पहले भी उग्र हिंदुत्व के पक्ष में झुके हुए बयान दे चुके हैं और उनके बुलडोजर न्याय को भाजपा में इतना पसंद किया गया कि अनेक राज्यों में उसका अनुसरण किया गया। प्रसंगवश बता दें कि बुलडोजर न्याय पर भी सुप्रीम कोर्ट सख्त टिप्पणी कर चुका है। लेकिन बुलडोजर न्याय के बाद अब श्री योगी संभवतरू यह भी तय करने लगे हैं कि मुसलमान किस ढांचे को मस्जिद मानें और किसे नहीं। मुख्यमंत्री जैसे पद पर बैठे व्यक्ति के लिए इस तरह के बयान देना न केवल संविधान की भावना के विपरीत है. बल्कि पद की गरिमा भी इससे घटती है, क्योंकि वे ऐसा कहकर एक समुदाय विशेष के साथ खड़े हो रहे हैं तथा दूसरे समुदाय के विरूद्ध बयान दे रहे हैं। हालांकि इस बारे में भाजपा के शीर्ष नेतृत्व से लेकर निचले क्रम के कार्यकर्ताओं का हाल एक जैसा ही है। प्रधानमंत्री पद हो, मुख्यमंत्री का पद हो या सांसद या विधायक, भाजपा की हिंदूवादी राजनीति हर ओहदे पर भारी पड़ जाती है। मुख्यमंत्री योगी ने श्हर विवादित ढांचे को मस्जिद कहना ठीक नहीं है।श जैसा बयान देश भर में अनेक मंदिरों व मस्जिदों को लेकर हो रहे विवादों के परिप्रेक्ष्य में दिया है लेकिन इसमें हिन्दू–मुस्लिम दोनों के लिये स्पष्ट संदेश हैं। आगे वे कहते हैं कि श्जिस दिन उन्हें मस्जिद कहना बन्द कर दिया जायेगा, तो लोग उनमें जाना भी छोड़ देंगे।श उन्होंने अपने बयान को न्यायसंगत बतलाने के लिये दो–तीन तर्क दिये। पहला तो यह कि श्ऐसे स्थानों पर की जाने वाली इबादत को खुदा भी स्वीकार नहीं करेगा।श यानी वे कहना चाहते हैं कि किसी भी विवादग्रस्त ढांचे में नमाज पढ़ी भी जाये तो उसका कोई उपयोग नहीं है। आदित्यनाथ ने दूसरी जो बात कही वह अल्पसंख्यकों के मन में और भी खौफ पैदा कर सकती है। उन्होंने एक तरह से मस्जिदों की उपयोगिता और अस्तित्व पर ही सवाल खड़ा कर दिये तथा यह भी बताया कि तमाम मस्जिदें निरर्थक हैं तथा ढांचे तो केवल सनातन धर्म यानी हिन्दुओं को ही चाहिये। उनका आशय यह था कि ढांचे के बिना भी मुसलमान उपासना कर सकते हैं। यानी मुस्लिम कहीं भी नमाज पढ़ सकते हैं जबकि हिन्दुओं को कोई स्ट्रक्चर अनिवार्यतरू चाहिये ही होता है। ध्यान से देखें तो यह बयान बहुत ही खतरनाक है तथा एक वर्ग विशेष में उन्माद की नयी लहर पैदा कर सकता है। वैसे भी भारतीय जनता पार्टी, उसके सहयोगी संगठनों तथा छिटपुट समूहों द्वारा देश भर में मंदिर–मस्जिद के विवाद खड़े किये जा रहे हैं। आये दिन किसी न किसी शहर की मस्जिद के सामने या भीतर उपद्रव हो रहे हैं या फिर कभी इस मस्जिद की खुदाई की मांग हो रही है तो कभी उस मस्जिद के भीतर हिन्दू देवी–देवता होने के दावे सामने आते हैं। इन सबके कारण अक्सर विवाद हिंसक रूप ले रहे हैं। योगी के अपने राज्य के संभल में इसी के चलते लगी आग अब तक पूरी तरह से ठंडी नहीं हो पायी है कि राज्य के मुखिया नये सिरे से उसी आग को भड़काने में लगे हैं। अब की यह आग उनके राज्य में सीमित न रहकर देश भर में फैल सकती है। मुख्यमंत्री योगी ने 14 जनवरी से शुरू होने वाले महाकुम्भ में मुसलमान दुकानदारों द्वारा दुकानें न लगाने देने की बात को एक तरह से यह कहकर स्वीकार कर लिया कि श्वहां कुछ लोग कुत्सित मानसिकता के साथ आते हैं। उनके साथ अन्य तरह का व्यवहार हो सकता है। ऐसे लोगों को आना ही क्यों चाहिये? जिनके मन में भारत व भारतीयता के प्रति आदर है वे ही यहां आएं।श योगी जिस पद पर बैठे हैं उनका दायित्व सभी को सुरक्षा देना तथा संवैधानिक नियम–कानूनों का पालन करना–कराना है। इसके विपरीत यह बयान एक वर्ग को डराना तथा दूसरे वर्ग (कानून तोड़ने वालों) को भड़काना और उसे अपने संरक्षण की गारंटी देना है। संभल के बाबत भी उन्होंने दावा किया कि वहां हरि विष्णु मंदिर था जिसे तोड़कर जामा मस्जिद बनाई गई है। ऐसा दावा करते हुए योगी ने कहा कि अकबर द्वारा लिखित आइन–ए–अकबरी (वर्ष 1526) में इस बात का उल्लेख है तथा

शास्त्रीय प्रमाण उपलब्ध हैं। एक मुख्यमंत्री द्वारा निर्णय तक पहुंचना कतई उचित नहीं कहा जा सकता क्योंकि यह मामला न्यायाधीन है। उनके द्वारा ऐसा कहना एक समुदाय को सीधा समर्थन देने जैसा है।

नरेंद्र मोदी विचार मंच ने गंगा जमुना तहजीब को लेकर विशाल खिचड़ी सहभोज भंडारे का किया आयोजन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जनपद की गंगा जमुना तहजीब को बरकरार रखते हुए नरेंद्र मोदी विचार मंच के जिला अध्यक्ष संदीप श्रीवास्तव के नेतृत्व में मकर संक्रांति के पावन पर्व पर नगर कोतवाली थाना क्षेत्र के नवाब युसूफ

रोड पर एक विशाल खिचड़ी भंडारे का आयोजन किया गया। साथ ही साथ इस अवसर पर तमाम जरूरतमंद लोगों को खिचड़ी के दिन प्रयोग होने वाले सामान लाई चूड़ा गट्टा आदि पैकेट में बनकर दिया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ नगर कोतवाल मिथलेश कुमार मिश्रा ने फीता काटकर व मा भारती ने किया।तदुपतं नरेंद्र मोदी विचार मंच के जिला अध्यक्ष द्वारा अंग वस्तावरण देकर सम्मानित किया गया ।खिचड़ी सहभोज में लगभग 500 से अधिक लोगों ने खिचड़ी का आनंद उठाया। वही इस मामले में है जिला अध्यक्ष संदीप श्रीवास्तव ने कहा कि गंगा जमुनी तहजीब को ध्यान में रखते हुए खिचड़ी सहभोज का आयोजन किया गया है लोगों ने खिचड़ी प्रसाद के रूप में ग्रहण किया है आपसी भाईचारा और एकता बनाए रखना के प्रधानमंत्री जी के सपने को साकार करने के उद्देश्य से यह कार्यक्रम हर वर्ष आयोजित किया जाता है और आगे भी किया जाता रहेगा जिसमें सभी की सहभागिता है। इस अवसर पर नरेंद्र मोदी विचार मंच के समस्त पदाधिकारी उपस्थित रहे। जिसमें जिला महामंत्री गणेश साहू जी पवन प्रजापति जी जिला उपाध्यक्ष संदीप शेट्टी की अनीश मिश्रा जी श्रेयांस मिश्रा जी नरेंद्र जी शैलेंद्र जी पत्रकार संघ के जिलाध्यक्ष दीपक श्रीवास्तव जी, आईटी सेल जिलाध्यक्ष अभिषेक पांडे, मुस्लिम मंच के जिलाध्यक्ष सैफ अली खान साथ में महिला शाखा जिला महामंत्री गीता जी बबीता जी सलोनी जी जिला उपाध्यक्ष बिट्टू दीदी सलोनी जी संगठन की सभी लोग उपस्थित रहे।उक्त जानकारी नरेंद्र मोदी विचार मंच के संचार प्रमुख विश्व प्रकाश श्रीवास्तव द्वारा दिया गया।

संघ जाति पाती को दूर करने के लिए सामाजिक समरसता भोज का आयोजन करता है – गिरीश

हरदोई (अम्बरीश कुमार सक्सेना)। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के द्वारा मकर संक्रांति उत्सव एवं सामाजिक समरसता भोज का आयोजन बाल रामलीला मेला मैदान शाहाबाद में किया गया। यहाँ विभाग संपर्क प्रमुख गिरीश चंद्र दीक्षित ने संबोधित करते हुए कहा कि संघ में कुल छह उत्सव मनाने की परंपरा रही है जिनमे से से मकर संक्रांति भी एक है। इसका उद्देश्य है सम्यक क्रांति एवं संगठन का भाव निर्माण करना। उन्होंने कहा कि मकर संक्रांति का खगोलीय महत्व भी है। आज के दिन ही सूर्य दक्षिणायन से उत्तरायण की ओर प्रवेश करते हैं। यह त्योहार भारतीय कृषि व्यवस्था से भी जुड़ा हुआ है। इस दिन हम लोग नई फसलों से प्राप्त अन्न, गुड़, तिल, तेल इत्यादि का सेवन करते हैं। इस त्योहार का एक प्रमुख उद्देश्य लोगों को आपस में जोड़ना भी है। यह समरसता का त्योहार है। दक्षिण भारत में यह पोंगल, उत्तर भारत में मकर संक्रांति, गुजरात में लोहड़ी के नाम से जाना जाता है। इस दिन पतंग उड़ाने की परंपरा रही है। तिल उष्णता का प्रतीक है जिसके दान करने से पुण्य की प्राप्ति होती है, ऐसी मान्यता है। स्कंद पुराण के दसवें खंड में भी इस त्योहार की चर्चा है। बताया कि संघ जाति पांति को दूर करने के लिए सामाजिक समरसता भोज का आयोजन करता है। इस कार्यक्रम नगर कार्यवाह अनूप, नगर संघ चालक डॉ विक्रम, खंड संघ चालक संजीव मोदी, तहसील संघ चालक विपिन, विशाल द्विवेदी, सत्यम सक्सेना, जिला प्रमुख श्याम जी गुप्ता, भाजपा के नगर अध्यक्ष अनिल पांडेय,महामंत्री सुभाष सिंह, सुभाष रस्तोगी, जितेंद्र गुप्ता, आलोक गुप्ता, सत्येंद्र श्रीवास्तव सहित बड़ी संख्या में लोग शामिल रहे।

पुलिस मुठभेड़ में 25 हजार के इनामी दो बदमाश गिरफ्तार, अंधेरे का लाभ उठाते हुए दो आरोपी फरार

अयोध्या। गत दिनो कोतवाली नगर क्षेत्र के वीआईपी इलाका रोडवेज के समीप जमीन का बैनामा बैनामा करने आई महिला से 5 लाख 50 हजार रुपये के लूट में शामिल 25000 रुपये का इनामिया दो आरोपियों को कोतवाली नगर पुलिस व स्वाट टीम के कर्मियों ने मुठभेड़ में गिरफ्तार किया जबकि दो आरोपी अंधेरा का लाभ उठाकर फरार हो गये।पुलिस ने उनके पास से लूट के 1 लाख 11000 रुपए,चोरी के दो बाइक व दो असलहा बरामद किया। इसका खुलासा सोमवार को कोतवाली नगर परिसर में आयोजित पत्रकार वार्ता में एसपी सिटी मधुबन कुमार सिंह ने करते हुए कहा कि रविवार की रात तीन बजे एसओजी एवं थाना कोतवाली नगर की संयुक्त पुलिस टीम ने कोतवाली नगर क्षेत्र मे पोस्टमार्टम हाऊस रोड के पास से मुखबिर की सूचना पर पिछले माह 27 दिसंबर को रोडवेज बस अड्डे के पास से हुई लूट की घटना कारित करने वाले आरोपी चन्दन यादव पुत्र स्व0 कन्हैया यादव निवासी नया टोला रौतारा थाना रौतारा जनपद कटिहार (बिहार) तथा सोनू यादव पुत्र स्व0 लल्लन यादव उर्फ लल्ली यादव निवासी नयाटोला गेरावाड़ी जुराबगंज थाना कोढ़ा जनपद कटिहार (बिहार) के साथ पुलिस मुठभेड में गिरफ्तार किया गया। इस संबंध मे एसपी सिटी मधुबन कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार किए गए दोनों आरोपियों के दोनों पैरों में गोली लगने पर वही मौके पर ही मोटरसाइकिलों के अनियत्रित होने के कारण गिर गये।वही दो अन्य आरोपी कल्लू यादव उर्फ करन कुमार पुत्र स्व0 लल्लन यादव उर्फ लल्ली यादव निवासी नयाटोला गेरावाड़ी जुराबगंज थाना कोढ़ा जनपद कटिहार (बिहार) तथा आशीष यादव पुत्र जोगेन्दर यादव निवासी नया टोला रौतारा थाना रौतारा जनपद कटिहार (बिहार) रात्रि के अधेरे का फायदा उठाकर भागने में सफल रहे।उन्होंने बताया कि पिछले माह 27 दिसंबर को कोतवाली नगर क्षेत्र मे रोडवेज बस अड्डे के पास हुई लूट के सम्बन्ध में मुकदमा स्थानीय थाना पर पंजीकृत कराया गया था।जिसे गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के अवलोकन एवं अन्य संकलित साक्ष्यों के आधार पर इन आरोपियों की पहचान किया था। उन्होंने बताया कि मुठभेड़ के दौरान फरार दोनों आरोपी पुलिस की गिरफ्त में होंगे।आरोपियों को गिरफ्तार करने वाली टीम में अश्विनी कुमार पाण्डेय प्रभारी निरीक्षक थाना कोतवाली नगर,अमरेश कुमार त्रिपाठी प्रभारी स्वाट टीमध सर्विलांस, रतन शर्मा प्रभारी एंटी थेफ्ट सेल,अमित कुमार प्रभारी चौकी सिविल लाइन,ध र्मेन्द्र कुमार मिश्र प्रभारी चौकी चौक सहित अन्य पुलिसकर्मी शामिल रहे।

कार्यक्रम में देर से आने पर हुई कहासुनी, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष तक पहुंचा मामला

गोरखपुर, (संवाददाता)। सांसद और कांग्रेस के यूपी की पूर्व प्रभारी प्रियंका गांधी के जन्मदिन पर रविवार को गरीबों में फल वितरण के लिए जुटे कांग्रेस पदाधिकारियों में कहासुनी होने से माहौल गरमा गया।

एक पक्ष के लोग कार्यक्रम छोड़कर चले गए। युवा इकाई के जिलाध्यक्ष सूरज यादव ने इस मामले की शिकायत प्रदेश अध्यक्ष अजय राय और प्रदेश के प्रभारी राष्ट्रीय सचिव अविनाश पांडेय समेत अन्य पदाध िकारियों से की है।

वहीं निवर्तमान जिलाध्यक्ष निर्मला पासवान का कहना है कि यह विवाद जानबूझकर उनकी छवि खराब करने की की गई है। युवा इकाई के जिलाध यक्ष सूरज यादव का कहना है कि दोपहर 12 बजे से आयोजित कार्यक्रम में दूर दराज से पार्टी कार्यकर्ता आए थे। यह कार्यक्रम जिलाध्यक्ष निर्मला पासवान की अगुवाई में होना था, लेकिन वह तीन घंटे देर से पहुंचीं। देर से आने की वजह पूछने पर निवर्तमान जिलाध्यक्ष अपशब्द कहा और उन्हें पार्टी से निकलवा देने की धमकी दी। यह भी कहा कि जब वे चाहेंगी, तभी कार्यक्रम होगा। सूरज ने आरोपों से संबंधित पत्र भी प्रदेश नेतृत्व को भेजा है।

मोहम्मद रजा बनाये गये सद्भावना क्लब जौनपुर के 30वें अध्यक्ष

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। सामाजिक एवं रचनात्मक संस्था सद्भावना क्लब जौनपुर के नये अध्यक्ष का चुनाव सम्पन्न हो गया। क्लब के अध्यक्ष हफीज शाह की अध्यक्षता में नगर के एक प्लाजा में 2025 के अध्यक्ष के चयन हेतु एक चुनाव प्रकिया का आयोजन किया गया। इस मौके पर सर्वप्रथम विकास अग्रहरी ने ईश वन्दना किया। इसके बाद पूर्व अध यक्ष श्रवण साहू, नरसिंह अवतार जायसवाल, आशीष साहू ने संस्था के उद्देश्य व उपलब्धि पर विस्तार से बताया।

चुनाव अधिकारी मधुसूदन बैंकर ने चुनाव प्रक्रिया के सम्बन्ध में सदन को बताया कि तय समय में सिर्फ एक नामांकन मोहम्मद रजा खान का प्राप्त हुआ जो पूरी तरह से वैध है। सभी पूर्व अध्यक्षों और संस्था सदस्यों की उपस्थिति में संस्था के वरिष्ठ सदस्य मोहम्मद रजा खान को 2025 के लिये सर्वसम्मति से निर्विरोध अध्यक्ष घोषित किया गया।

तत्पश्चात अध्यक्ष हफीज शाह सहित अन्य सभी ने नवचयनित अध्यक्ष को माल्यार्पण करके स्वागत किया जिसके पश्चात नवचयनित अध्यक्ष ने अपने 2025 की सम्पूर्ण कार्ययोजना सभी के समक्ष प्रस्तुत किया। साथ ही यह विश्वास दिलाया कि आने वाला 2025 कार्यकाल एक स्वर्णिम काल की तरह जाना जायेगा। नवचयनित अध्यक्ष ने सदन की सहमति से विनीत गुप्ता को सचिव, विवेकानन्द मौर्या को कोषाध्यक्ष, हर्ष माहेश्वरी को सह सचिव, चन्द्रेश मौर्या को सह कोषाध्यक्ष के रूप में घोषणा किया। इस पर उपस्थित सभी लोगों ने माला पहनाकर सभी नवचयनित पदाधिकारियों का जोरदार स्वागत करते हुये माल्यार्पण करके बधाई दिया।

इस अवसर पर आदर्श वर्मा, संतोष अग्रहरी, नागेन्द्र यादव, विवेकानन्द मौर्या, चन्द्रेश मौर्या, ताहिर कादरी, लोकेश जावा, डॉ राशिद खान, धीरज गुप्ता, हर्ष माहेश्वरी, रविन्द्र यादव एडवोकेट, अवधेश सहित तमाम लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन पूर्व सचिव विकास अग्रहरी ने किया। अन्त में नवचयनित सचिव विनीत गुप्ता ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

चौकियां माई का श्रृंगार महोत्सव 23, 24, 25 जनवरी को

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। देश की प्रसिद्ध मंदिरों में एक सिद्धपीठ माता शीतला मंदिर चौकियां धाम जी का शृंगार महोत्सव दिनांक 23,24,25 जनवरी को होगा जिसमें लाखों भक्त दर्शन करने आते है। प्रातः 5 बजे मंदिर खुलने से रात्रि 9 बजे तक दर्शन पूजन श्रद्धालु कर सकेंगें। शृंगार महोत्सव का शुभ उद्घाटन 23 जनवरी को शाम 6 बजे होगा। जिलाधिकारी जौनपुर डॉ दिनेश चन्द, पुलिस अधिकारी डॉ कौश्तुभ जी भी दर्शन करने आयेंगे। समस्त कार्यक्रम का आयोजन श्री शीतला जी मंदिर समिति ट्रस्ट द्वारा किया जाएगा जिसमें मंदिर शृंगार, सजावट, संस्कृति कार्यक्रम भजन संध्या प्रसाद भंडारा आदि शामिल होगा। शृंगार महोत्सव में प्रदेश सरकार के मंत्री स्वतंत्र देव सिंह , राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार गिरीश चंद यादव सहित प्रदेश के कई मंत्री अधिकारी शामिल होंगे। चौकियां मंदिर के मंहत विवेकानंद विवेक गुरुजी ने बताया कि कोलकाता के अच्छे कारीगरों द्वारा दिव्य शृंगार सजावट किया जाएगा। शृंगार महोत्सव का सारा खर्च श्री शीतला जी मंदिर समिति ट्रस्ट द्वारा किया जाता हैं। जो भी भक्त शृंगार महोत्सव भंडारा में सहयोग स्वेच्छा से करना चाहते हैं मंदिर ट्रस्ट के एकाउंट नंबर 924020035649198 एक्सिस बैंक में IFSC CODE UTIB 0005381 पर सहयोग कर सकते है या मंदिर में ट्रस्ट समिति के लोग से मिलकर कर सकते है । विदित हो कि कुछ वर्षों से देखा जा रहा है कि शृंगार महोत्सव भंडारा आदि के नाम पर कुछ लोग चंदा वसूली करते है जो गलत हैं। ट्रस्ट ने भक्तो से चौकियां धाम मंदिर के नाम पर किसी को भी किसी प्रकार का चंदा नहीं देने की अपील किया है। ट्रस्ट के अध्यक्ष विकास पड़ा, प्रबंधक अजय पंडा, पुजारी लल्लन पंडा, माता के भक्त बच्चा भईया एडवोकेट, ने प्रदेश जिले के सभी चौकियां माई भक्तों से 23, 24 25 जनवरी को शृंगार महोत्सव में भाग लेने का आग्रह किया है। विकास पड़ा जी ने समस्त समस्त मीडिया बंधुओं से शृंगार महोत्सव में शामिल होने का आग्रह किया है।

कुंभ स्नान के लिए रोजाना एक बस भेजेंगे जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि/ब्लॉक प्रमुख शिवकुमार सिंह

सुल्तानपुर। उत्तर प्रदेश राज्य परिवहन निगम की बसों के जरिए कुंभ स्नानार्थियों को सहूलियत देने की योजना बनाई गई है। जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि/ब्लॉक प्रमुख शिवकुमार सिंह द्वारा एक बस रोज जिले से प्रयागराज के लिए रवाना की जाएगी। 50 श्रद्धालुओं के एक साथ होने की दशा में बस ग्राम पंचायत विशेष से श्रद्धालुओं को लेकर प्रयागराज प्रस्थान करेगी।मोबाइल नंबर 9559622097 पर रजिस्ट्रेशन आधार कार्ड के जरिए श्रद्धालुओं को कराना होगा।

विश्वनाथ धाम में सुगम दर्शन–मंगला आरती की बुकिंग 10 दिन तक बंद, रोजाना आ रहे लाखों भक्त

वाराणसी, (संवाददाता)। महाकुंभ के दौरान हर दिन 10–12 लाख भक्तों के दर्शन–पूजन का अनुमान हैं। प्रयागराज से श्रद्धालुओं के धाम में आने का सिलसिला शुरू भी हो गया है। बीते रविवार की छुट्टी पर गंगा द्वार की ओर से आने वाले भक्तों की कतार दशाश्वमेध घाट तक लगी रही। दो किलोमीटर का जिग–जैग लेन भी भरा रहा। चार नंबर गेट की लाइन चौक और गोदौलिया तक चली गई। कुल मिलाकर करीब 4 किलोमीटर तक लंबी कतार लगी रही। सोमवार से महाकुंभ भक्तों का बड़ा जत्था काशी पहुंचेगा। तीन शाही स्नान वाले दिनों में मंगला आरती और सुगम दर्शन की बुकिंग नहीं होगी। 12 फरवरी तक 10 ऐसे दिन हैं, जिसमें मंगला आरती और सुगम दर्शन के लिए टिकट नहीं मिलेंगे। भक्तों की भीड़ को देखते हुए मंगला आरती के अलावा तीनों आरती की बुकिंग बंद कर दी गई हैं। मंगला आरती के लिए अगले महीने 12 फरवरी तक ऑनलाइन टिकट खाली नहीं है, लेकिन मंदिर प्रशासन ने ये व्यवस्था दी है कि जो भी भक्त मंगला आरती का टिकट चाहते हैं, वो मंदिर ट्रस्ट के काउंटर पर संपर्क कर सकते हैं। इन 10 दिनों पर नहीं होगी कोई बुकिंग रू विश्वनाथ धाम में 14–15 जनवरी, 28–30 जनवरी, 3–5 फरवरी और 11–12 फरवरी को मंगला आरती के टिकटों की बुकिंग स्थगित रहेगी। विशेष नहान वाले दिन के एक दिन पहले और उसके एक दिन बाद तक ये व्यवस्था लागू रहेगी। मंदिर एसडीएम शंभू शरण ने कहा कि कतारबद्ध सभी भक्तों के लिए लाई–चना और पानी की भी व्यवस्था होगी। वहीं, लाइन में लगने वाले वृद्ध भक्तों का भी विशेष ध्यान रखा जाएगा। मेडिकल टीम और एंबुलेंस भी तैनात कर दी गई हैं। महाकुंभ के लिए बनारस–प्रयागराज के बीच 19 कुंभ मेला स्पेशल ट्रेनें रविवार से शुरू हुईं। 05105 बनारस–प्रयागराज रामबाग मेला, 05106 प्रयागराज रामबाग–बनारस मेला, 05107 बनारस–प्रयागराज रामबाग मेला, बनारस–झूंसी के बीच मेला स्पेशल 05109 बनारस–झूंसी और 05110 झूंसी–बनारस मेला चलाई गईं। वहीं, 05177 गोरखपुर–झूंसी मेला, 05179 गोरखपुर–झूंसी मेला, 05180 झूंसी–गोरखपुर मेला, 05185 गोरखपुर–प्रयागराज रामबाग मेल आदि स्पेशल ट्रेनें चलाई गईं।

महाकुंभ के दौरान जनरल टिकट पर यात्रा करने वाले यात्रियों को कैंट स्टेशन पर टिकट के लिए काउंटर पर लाइन नहीं लगानी होगी। अब कैंट स्टेशन पर 18 एटीवीएम होंगे। स्टेशन के सभी द्वार और परिसर के विभिन्न स्थानों पर एटीवीएम से टिकट निकाले जा सकते हैं। पहले नौ एटीवीएम थे, अब नौ और एटीवीएम मंगाए गए हैं।

धार्मिक, आध्यात्मिक, ऐतिहासिक और साहित्यिक विरासत से समृद्ध है गोरखपुर

गोरखपुर, (संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि गोरखपुर धार्मिक, आध्यात्मिक, ऐतिहासिक और साहित्यिक विरासत से समृद्ध है। यह भारत की धार्मिक और आध्यात्मिक परंपरा की एक महत्वपूर्ण भूमि है। नाम से ही पता लग जाता है कि महायोगी भगवान गोरखनाथ की पावन साधना स्थली भी है। विरासत से संपन्न गोरखपुर आज विकास के भी नए प्रतिमान स्थापित कर रहा है। सरकार विकास करा रही है, उस विकास की यात्रा के साथ सहभागी बनना हम सबका दायित्व बनता है। सीएम योगी, रविवार अपराह्न गोरखपुर महोत्सव–2025 के समापन समारोह में उपस्थित जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। सीएम ने कहा कि गोरखपुर गीताप्रेस के माध्यम से भारत की धार्मिक साहित्य का एक प्रमुख केंद्र भी है। पास ही कुशीनगर में भगवान बुद्ध की महानिर्वाण स्थली और सूफी संत कबीरदास की महानिर्वाण निर्वाण स्थली मगहर भी है। अपनी लेखनी के माध्यम से कथा सम्राट के रूप में विख्यात मुंशी प्रेमचंद ने गोरखपुर को अपनी कर्मस्थली बनाया था। उन्होंने कहा कि गोरखपुर फिराक गोरखपुरी की जन्मभूमि है तो वैश्विक मंच पर भारत की आध्यात्मिक विरासत को स्थापित करने वाले योगानंद परमहंस ने भी इसी गोरखपुर में जन्म लिया था। मुख्यमंत्री ने कहा कि 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में ब्रिटिश हुकूमत की चूलों को हिलाने वाले शहीद बंधु सिंह की जन्म और कर्मभूमि भी गोरखपुर है। इसी गोरखपुर की जेल में काकोरी ट्रेन एक्शन के नायक अमर स्वतंत्रता संग्राम सेनानी पंडित राम प्रसाद बिस्मिल को फांसी की सजा दी गई थी। कार्यक्रम को सांसद रविकिशन शुक्ल ने भी संबोधित किया। स्वागत संबोध ान में गोरखपुर महोत्सव समिति के अध्यक्ष एवं कमिश्नर अनिल ढींगरा ने आयोजन के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर राज्यमंत्री विजयलक्ष्मी गौतम, जिला पंचायत अध्यक्ष साध ाना सिंह, मेयर डॉ मंगलेश श्रीवास्तव, विधायक फतेह बहादुर सिंह, श्रीराम चौहान, विपिन सिंह, डॉ. विमलेश पासवान, महेंद्रपाल सिंह, प्रदीप शुक्ल, मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश अवस्थी, राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष चारू चौधरी, कालीबाड़ी के महंत रविंद्रदास, भाजपा के क्षेत्रीय अध यक्ष सहजानंद राय आदि उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि 12 जनवरी वैश्विक मंच पर भरत की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक छवि, आध्यात्मिक विरासत, सनातन धर्म की वैदिक परंपराओं को स्थापित करने वाले स्वामी विवेकानंद की पावन जयंती भी है। उन्होंने स्वामी विवेकानंद के आदर्शों का स्मरण करते हुए उन्हें नमन किया और साथ ही सभी लोगों को मकर संक्रांति व प्रयागराज महाकुंभ की शुभकामनाएं दीं। गोरखपुर महोत्सव के मुख्य मंच से सीएम योगी ने पांच विभूतियों को गोरखपुर रत्न से सम्मानित किया। कला के क्षेत्र में वरिष्ठ रंगकर्मी केसी सेन, कृ षि–उद्यमिता के क्षेत्र में प्रगतिशील किसान और शहद उत्पादक राजू सिंह, खेल के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय टेनिस खिलाड़ी शगुन कुमारी, चिकित्सा के क्षेत्र में वरिष्ठ हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. बीबी त्रिपाठी और विज्ञान के क्षेत्र में डॉ. साहिल महफूज को गोरखपुर रत्न सम्मान प्राप्त हुआ। गोरखपुर महोत्सव के औपचारिक समापन समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सुपरिचित गायक, इंदौर मध्य प्रदेश से आए सुधीर व्यास के सुमधुर भजनों का आनंद उठाया। भजन सुनने के लिए मुख्यमंत्री मुख्य मंच से उतरकर सामने लगीं कुर्सियों की तरफ आ गए थे।

मानव की आरोग्यता के लिए आयुर्वेद और योग वरदान

गोरखपुर, (संवाददाता)। इस्राइल के आयुर्वेद औषधि विशेषज्ञ और आयुर्वेद प्रगति संस्था के निदेशक वैद्य गुई लेविन ने कहा कि मानव की आरोग्यता के लिए आयुर्वेद और योग वरदान हैं। नाथपंथ इन दोनों के प्रसार और विस्तार में अग्रणी भूमिका निभाता रहा है। नाथ पंथ से जुड़े योगियों ने योग और आयुर्वेद को न केवल स्वयं अपनाया बल्कि आमजन को भी इसके लिए प्रेरित किया। वैद्य लेविन रविवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, आरोग्यध ाम के गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) की तरफ से आयोजित तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के शुभारंभ सत्र को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। आयुर्वेद, योग और नाथपंथ के पारस्परिक अंतरसंबंध ों को समझने के लिए वैद्य लेविन ने कहा कि आयुर्वेद न केवल अत्यंत प्राचीन बल्कि पूरी तरह हानिरहित चिकित्सा पद्धति है। प्राचीनकाल में यह जीवनशैली का हिस्सा था। बीच के कालखंड में कुछ विस्मृत करने की कोशिश हुई लेकिन कोरोना काल के बाद दुनियाभर ने दोबारा इसके महत्व को स्वीकार किया है। उन्होंने योग की चर्चा करते हुए कहा कि यह मानव को निरोग रखने का निशुल्क उपहार है। अगर कोई भी व्यक्ति योग करते हुए आयुर्वेद सम्मत जीवन अपनाए तो उसे किसी व्याध ि की आशंका न्यूनतम हो जाती है। उन्होंने कहा कि गोरखनाथ की भूमि दिव्यता में येरुशलम जैसा प्रतीत होता है। विशिष्ट अतिथि प्रोविंशियल आयुर्वेद हॉस्पिटल श्रीलंका की पूर्व निदेशक डॉ. अनुला इल्लु कुम्बरी ने कहा कि प्राचीन सांस्कृतिक और आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति को लेकर श्रीलंका और भारत की अपनी साझा विरासत है। वहीं विशिष्ट अतिथि श्रीलंका से आए वनौषधि वाचस्पति डॉ. मायाराम उनियाल ने कहा कि वैद्य शब्द गुरु गोरखनाथ ने दिया है। नाथ संप्रदाय के प्रवर्तक भगवान शिव ही पारद ज्ञान के ज्ञाता हैं। इस अवसर पर उन्होंने अपनी दो पुस्तक को महायोगी गुरु गोरक्षनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह को भेंट की। उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता करते हुए मुख्यमंत्री के सलाहकार एवं भारत सरकार के पूर्व औषधि महानियंत्रक डॉ. जीएन सिंह ने कहा कि नाथपंथ ने योग और आयुर्वेद को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आयुर्वेद, योग और नाथपंथ की आपस में एक साझा विरासत है। बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के रसायनशास्त्र और भैषज्य कल्पना विभाग के वरिष्ठ आचार्य डॉ. के. राम चंद्र रेड्डी ने सम्मेलन के विषय और इसकी प्रासंगिकता पर चर्चा की। संगोष्ठी में चार सौ अधिक प्रतिनिधियों ने सहभागिता की। उद्घाटन सत्र में कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह, कुलसचिव डॉ. प्रदीप राव, आयुर्वेद कॉलेज के डॉ. नवीन, डॉ. दीपू मनोहर, डॉ. विनम्र शर्मा, डॉ. साध्वी नंदन पांडेय, डॉ. देवी और डॉ. प्रिया और विभिन्न देशों से आए प्रतिनिधियों की उपस्थिति रही। संगोष्ठी के प्रथम वैज्ञानिक सत्र में 'वर्तमान स्वास्थ्य देखभाल की चुनौतियां एवं आयुर्वेद' विषय पर जानकारी देते हुए विश्व आयुर्वेद मिशन के संस्थापक अध्यक्ष प्रो. जीएस तोमर ने कहा कि कोरोना काल में आयुर्वेद की लोकप्रियता में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। आयुर्वेद उत्पादों की मांग अचानक विश्व बाजार में कई गुना बढ़ गई है। एक ओर एंटीबायोटिक औषधियों की मांग में कमी दर्ज की गई है, वहीं दूसरी ओर इम्यूनिटी वर्धक औषधियों की मांग में बेतहाशा वृद्धि ने दवा बाजार को नई दिशा की ओर मोड़ दिया है। वहीं एसोसिएशन ऑफ आयुर्वेदा प्रोफेशनल्स ऑफ नॉर्थ अमेरिका के अध्यक्ष डॉ. शेखर अन्नमबाटला ने विश्व स्वास्थ्य संगठन की ओर से निर्धारित प्रमुख स्वास्थ्य पहलुओं पर चर्चा की। संगोष्ठी के एक महत्वपूर्ण सत्र में डॉ. जयंत कुमार भदौरिया ने कहा कि भृगु योग परंपरा वैदिक काल के महान सप्तर्षियों में से एक भृगु ऋषि के नाम पर आधारित है। इसका लक्ष्य शरीर, मन और आत्मा का समन्वय कर ऊर्जा को जागृत करना है।

आयुष डॉक्टर भर्ती में एक पद के सापेक्ष 105 उम्मीदवारों ने किया आवेदन, मेरिट के होगा आधार

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी में आयुष डॉक्टर भर्ती में एक पद के सापेक्ष 105 उम्मीदवारों ने आवेदन किया। इस कारण विभाग इस पद के लिए उम्मीदवारों का चयन मेरिट के आधार करेगा। यूपी की राजधानी लखनऊ के सरकारी अस्पतालों में आयुष डॉक्टरों की भर्ती के लिए मारामारी मची है। इसकी वजह है कि एक पद पर करीब सौ डॉक्टर उम्मीदवार हैं। आवेदन अधिक होने के कारण विभाग मेरिट के आधार पर इनका चयन करेगा। सरकारी अस्पतालों में आयुष यूनिटों में डॉक्टर नहीं हैं। एनएचएम ने जिले में 21 आयुर्वेद डॉक्टरों की भर्ती का फैसला लिया था। चयन प्रक्रिया वॉक इन इंटरव्यू से होगी। पहली बार इंटरव्यू में शामिल होने से पहले डॉक्टरों ने फॉर्म भरकर सीएमओ दफ्तर में जमा किए हैं। अफसरों का कहना है 21 पद के सापेक्ष करीब 2,200 डॉक्टरों ने फार्म जमा किए हैं। एक अनुमान के मुताबिक, एक पद पर 105 डॉक्टरों ने आवेदन किया है। ऐसे में जिनकी मेरिट ज्यादा होगी, वही वॉक इन इंटरव्यू में शामिल होंगे। हालांकि, अभी तारीख नहीं तय हो पाई है। सीएमओ डॉ. एनबी सिंह के मुताबिक, डीएम से अनुमति लेने बाद वॉक इन इंटरव्यू की तिथि तय की जाएगी। आयुष डॉक्टर की भर्ती के लिए कई अभ्यर्थी रोज सीएमओ दफ्तर के चक्कर लगाकर जुगाड़ बैठा रहे हैं। वहीं, कुछ सिफारिश करवा कर जुगाड़ बैठा रहे हैं। हालांकि, अफसर उन्हें चयन प्रक्रिया नियमों का हवाला देकर लौटा रहे हैं।

2026 में पूरी ताकत पंचायत चुनाव लड़ेगी कांग्रेस पार्टी, सात दिनों तक मंथन के बाद बनी योजना

लखनऊ, (संवाददाता)। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव व प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडेय ने प्रेसवार्ता में कहा कि सात दिन संगठन सृजन के लिए चिंतन हुआ है। इसका उद्देश्य आने वाले समय में हर इकाई को मजबूत करना और तैयार करना है। पिछले दिनों सभी कार्यकारिणी भंग की थी। काम का आकलन कर, नई चुनौतियों को ध्यान में रखकर नए सिरे से गठन करें। सात दिन में बैठक में 6280 नेता शामिल हुए। दो चरणों में बैठक हुई। 25 साल से सक्रिय और संगठन से जुड़े लोगों के साथ बैठक की गई है। एक ज्यूरी बनी थी जो सुझावों को लेगी। पांच स्तरीय संगठन का निर्माण, समय से करेंगे। प्रदेश, मंडल, जिला, ब्लॉक, बूथ स्तर यह गठन होगा। 2026 में कांग्रेस हर पंचायत पर स्वतंत्र रूप से चुनाव लड़ेगी। इसकी तैयारी के लिए योजना बनी है। जिला स्तर पर समन्वय समिति बनाएंगे। शीर्ष से लेकर स्थानीय नेता होंगे। प्रदेश के नेता समन्वय करेंगे। यूपी में कांग्रेस की संभावना दिखी है। हमने इंडिया गठबंधन के रूप में प्रमुख भूमिका निभाई है। कांग्रेस के ही नहीं गठबंधन के सपा के प्रत्याशियों को पूरी ताकत से सहयोग और समर्थन किया है। कोई कसर नहीं छोड़ी। लोकसभा चुनाव में 17 सीटों पर लड़े और छह पर कांग्रेस जीती है। उन्होंने कहा कि जनता का डबल इंजन सरकार से विश्वास उठ चुका है। जनता चाहती है कि कांग्रेस नेतृत्व करें। 2026 के निकाय, पंचायत चुनाव के साथ 2027 में विधान सभा चुनाव में भी पूरी मजबूती से उतरेंगे। संगठन सृजन का कार्यक्रम उसमें सहयोगी भूमिका निभाएगा। अविनाश पांडेय ने कहा कि कांग्रेस अतीत की नींव पर भविष्य का निर्माण करेगी। इस मौके पर कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि प्रयागराज को लेकर बड़ी बातें कही जा रही हैं। गंगा पुत्र निषाद लोगों को वहां से हटा दिया गया है। पूरे क्षेत्र से हटा दिया गया है। जीवन यापन प्रभावित है। बनारस में भी यही किया गया। गुजरात की बोट वालों को काम और ठेका दिया गया है। हम उनके साथ हैं। उन्होंने कहा कि मेला क्षेत्र में सेवादल का शिविर लगा है। उन्होंने कहा कि कुंभ में हम सभी लोग डुबकी लगाएंगे। उन्होंने कहा कि मिल्कीपुर में सपा प्रत्याशी का समर्थन करेंगे। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने नगीना सांसद चंद्रशेखर आजाद की टिप्पणी पर कुछ भी नहीं कहा। उन्होंने कहा कि कुंभ को लेकर राजनीतिक एजेंडा का समर्थन नहीं करेंगे। यह देश के लिए गौरव का विषय है। हर वर्ग के लोगों का है। समाज के विभिन्न विचार के लोगों को जोड़ना है। वैमनस्यता नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू के बारे में कहा कि वो किसान आंदोलन को लेकर धरने पर बैठे हैं ।

निवेश और समग्र विकास में वास्तुकारों का अहम योगदान - डिप्टी सीएम पाठक

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि प्रदेश में अधिक से अधिक निवेश लाने और समग्र विकास में आर्किटेक्ट अहम भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने लखनऊ वास्तुकला महोत्सव की सराहना करते हुए कहा कि निश्चित तौर पर यह आयोजन भवन निर्माण क्षेत्र में फायदेमंद होने के साथ प्रदेश के विकास, विशेष रूप से राज्य राजधानी क्षेत्र (एससीआर) को आकार देने में सहायक सिद्ध होगा। उन्होंने ये बातें इकाना स्टेडियम में चल रहे तीन दिवसीय लखनऊ वास्तुकला महोत्सव के समापन पर रविवार को कहीं। उप मुख्यमंत्री ने लखनऊ आर्किटेक्ट्स एसोसिएशन की स्मारिका आविर्भाव, एलएएफ 2.0 का विमोचन भी किया। इससे पहले, वास्तुकार डॉ. शुभ्रजीत दास, प्रशांत सुतारिया, गुरमीत संगा ने डिजाइन विचारों की विकास प्रक्रिया व सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण और ऐतिहासिक शहरों के पुनर्जीवन पर विचार रखे। कला प्रतियोगिता भी हुई, जिसमें 300 से अधिक छात्रों ने हिस्सा लिया। विजेताओं को पुरस्कृत भी किया गया। समापन पर लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड्स भी दिए गए। फ्रेटरनिटी फ्रेंडली अवार्ड आर्किटेक्ट सबीना सिंह, शैक्षणिक क्षेत्र अवार्ड आर्किटेक्ट मोहम्मद सबाहत तथा कॉरपोरेट क्षेत्र अवार्ड आर्किटेक्ट नरेंद्र कुमार को मिला। सफलता के साझीदार के रूप में डॉ. नवनीत सहगल, डॉ. वंदना सहगल, सोनम सिन्हा, संजय सिन्हा, विनीता बहल और अजय बहल भी सम्मानित किए गए।

सपा में बदले जाएंगे कई जिलाध्यक्ष, मिल्कीपुर में किसी प्रत्याशी को गुपचुप समर्थन कर सकती बसपा

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी की राजनीति में मकर संक्राति के बाद दो बड़े बदलाव होने जा रहे हैं। सपा प्रदेश के कई जिलों के जिलाध्यक्ष बदलने जा रही है तो वहीं बसपा मिल्कीपुर चुनाव को लेकर अपनी रणनीति तय करेगी। मालूम हो कि बसपा इन चुनावों में अपना प्रत्याशी नहीं दे रही है। समाजवादी पार्टी शीघ्र ही अपने कई जिलाध्यक्ष बदल सकती है। इस पर हाईकमान विचार कर रहा है। मकर संक्रांति के बाद कभी भी सूची आ सकती है। सपा सूत्रों के मुताबिक, 15–20 जिलाध्यक्ष बदले जा सकते हैं। जिन जिलों के अध्यक्ष बदले जाएंगे, वहां कमेटियां भी नए सिरे से बनाई जाएंगी। कुछ जिले ऐसे हैं, जहां अध्यक्ष या तो किसी विवाद में फंस गए हैं या फिर निष्क्रिय हैं। इन सभी जिलाध्यक्षों की सूची तैयार कर ली गई है। सूत्रों का कहना है कि नई कमेटियों और जिलाध्यक्षों का चयन कार्यकर्ताओं की सक्रियता के आधार पर तय होगा। विधानसभा चुनाव के मद्देनजर पार्टी स्थानीय स्तर पर अपने संगठन को दुरुस्त करना चाहती है, ताकि बूथ स्तर पर पार्टी को मजबूत किया जा सके। बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती 15 जनवरी को अपने जन्मदिन के बाद मिल्कीपुर उपचुनाव को लेकर रणनीति तय करेंगी। बता दें, बसपा मिल्कीपुर उपचुनाव नहीं लड़ रही है। ऐसे में पार्टी समर्थक किस दल को वोट करें, इस बारे में बसपा सुप्रीमो संकेत दे सकती हैं। इस बाबत उन्होंने 16 जनवरी को पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारियों की बैठक बुलाई है जिसमें सदस्यता अभियान, संगठन के विस्तार, कैडर कैंप और पार्टी के साथ मुस्लिमों, ब्राह्मणों एवं अन्य वर्गों को जोड़ने के अभियान की समीक्षा होगी। पार्टी बसपा सुप्रीमो का जन्मदिन जन कल्याणकारी दिवस के रूप में मनाएग। देशभर में पार्टी कार्यकर्ताओं ने इसकी तैयारी कर ली है। जिलों में विचार गोष्ठियां होंगी। बसपा सुप्रीमो अपने जन्मदिन पर कार्यकर्ताओं और समर्थकों के नाम पर संदेश भी जारी करेंगी जिसमें दिल्ली चुनाव को लेकर भी अहम घोषणाएं की जा सकती हैं। दिल्ली में बसपा अकेले दम पर विधानसभा चुनाव लड़ रही है। बसपा सुप्रीमो ने दिल्ली चुनाव की कमान अपने भतीजे एवं पार्टी के नेशनल कोऑर्डिनेटर आकाश आनंद को सौंप रखी है।

संक्षिप्त समाचार

संदिग्ध हालत में अधेड़ ने गंगा में लगाई छलांग... तलाश जारी

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी के रायबरेली में पूरे तीर खरौली गंगा घाट पर पुल से अधेड़ ने गंगा में छलांग दी। ठंड के चलते रात में उसकी खोजबीन नहीं हो सकी। सोमवार सुबह पुलिस ने तलाश शुरू की है। मामला ऊंचाहार थाना क्षेत्र पूरे तीर खरौली गंगा घाट की है। पूरे गुलाब मजरे कंदरावां गांव निवासी अशोक राज (58) फर्नीचर बनाने का मिस्त्री था। रविवार की शाम वह तीर का पुरवा गांव गया था। गांववालों के मुताबिक, शाम लगभग 6 बजे वह गंगा पुल के बीच पहुंचे और नदी में छलांग दी। मौजूद बच्चों ने देखा। बच्चे गांव आए और लोगों को जानकारी दी। तब तक रात हो चुकी थी। रात में डायल 112 पर सूचना दी गई। लेकिन, घने कोहरे व ठंड के चलते उसकी तलाश शुरू नहीं हो पाई। सोमवार की सुबह पुलिस मौके पर आई और उनकी खोजबीन शुरू कराई लेकिन कड़ाके की ठंड में उनकी तलाश कराने में मुश्किलें आ रही हैं। कोतवाल संजय कुमार ने बताया कि उसकी तलाश की जा रही है। रात में किसी ने सूचना नहीं थी।

बीच सड़क बर्थडे पार्टी... दबंगों ने जमकर मचाया उत्पात, फायरिंग भी की गई

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी की राजधानी लखनऊ में बर्थडे पार्टी मनाने के दौरान हवाई फायरिंग करने का मामला सामने आया है। युवकों ने फायरिंग का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर पोस्ट किया। सैकड़ों की संख्या में एकत्र युवकों ने जमकर उत्पात मचाया। मड़ियांव थाने से चंद कदमों की दूरी का मामला है।

खिलौने की दुकान में लगी आग, लपटें और धुएं का गुबार देख लोगों में दहशत

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में सोमवार की सुबह मछली मंडी टावर स्थित खिलौने की दुकान में आग लग गई। सूचना पर पहुंचे दमकलकर्मियों ने चार गाड़ियों से करीब दो घंटे में आग पर काबू पा लिया। घटना चौक क्षेत्र के के रकाबगंज की है। एफएसओ चौक ने बताया कि खिलौने की दुकान में आग लगने की सूचना मिली थी। दो गाड़ियों के साथ टीम मौके पर पहुंची। गोदाम से आग की लपटें और धुएं का गुबार उठ रहा था। आग की विकरालता को देखते हुए दमकल की दो और गाड़ियां मौके पर बुलाई गईं। इसके बाद दुकान को चारों ओर से घेर कर कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह से काबू पा लिया गया। एफएसओ ने बताया कि दुकान के मालिक संजय गुप्ता बताए जा रहे हैं। घटना से कोई जनहानि नहीं हुई है। शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका है।

सुबह 6 बजे पहुंचे बिजली कर्मी, ड्रोन कैमरे से चलाया अभियान

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी की राजधानी लखनऊ में सहादतगंज क्षेत्र में सोमवार सुबह चेकिंग के दौरान ड्रोन कैमरे से मकान के दूसरे तल पर केबल काटकर की जा रही बिजली चोरी को पकड़ा गया। ड्रोन कैमरे की आवाज सुनकर एक महिला झट से कटे केबल से कटिया हटाने की कोशिश करते भी कमरे में कैद हो गई। मुख्य अभियंता सेंट्रल लखनऊ रवि कुमार अग्रवाल के मुताबिक यह अभियान नूरबड़ी उपकेंद्र के जूनियर इंजीनियर राजेश कुमार सिंह की अगुवाई में शुरू हुआ था जिसमें ड्रोन कैमरे के जरिए बिजली चोरी करने वालों को पकड़ा गया। पहली बिजली चोरी घंटाबेग सहादतगंज निवासी जहूर खान के घर में हो रही थी, जिनके घर में मुन्नी के नाम से चार किलो वाट का कनेक्शन था। जहूर खान के घर में आर्मर्ड केबल को काटकर अतिरिक्त केबल से मकान के दूसरे तल से से बिजली चोरी की जा रही थी। दूसरी बिजली चोरी ताज आलम निवासी सआदत गंज कर रहे थे।

संक्षिप्त समाचार

मकर संक्रांति को लेकर बाजार में रौनक, शुभ मुहूर्त में करें स्नान, दान

लखनऊ, (संवाददाता)। मकर संक्रांति को लेकर बाजार में रौनक बिखर चुकी है। हजरतगंज, अमीनाबाद और चौक जैसे प्रमुख बाजारों में चावल, तिल, गुड़ और पतंगों की खरीदारी जोरों पर है। लोग दान–पुण्य और गंगा स्नान जैसे विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों की तैयारियों में भी जुटे हैं। व्यापारी सोनू गुप्ता ने बताया कि इस बार तिल और चावल की मांग काफी बढ़ी है। बासमती और कामिनी भोग चावल लोग अधिक पसंद कर रहे हैं। तिल–गुड़ के लड्डू और गजक की दुकानों पर भी भीड़ है। दुकानदार रोहित लड्डुओं की कीमतों के बारे में बताते हैं कि इस बार काले तिल व सफेद तिल के लड्डू 300 से 350 रुपये किग्रा,

रामदाना लड्डू 200 रुपये और लइया के लड्डू 100 रुपये किग्रा के भाव बिक रहे हैं। पंडित प्रशांत द्विवेदी के अनुसार, मकर संक्राति का पुण्यकाल 14 जनवरी को सुबह 6.58 बजे से शुरू होगा और 15 जनवरी को सुबह 6.58 बजे तक रहेगा। इस पुण्यकाल में दान पुण्य, स्नान आदि धार्मिक कार्य संपन्न किए जा सकेंगे। बताया कि इस वर्ष का मुहूर्त अत्यंत शुभ है और इस महापुण्यकाल में सूर्य को जल अर्पित करने से मनोकामनाएं पूरी होगीं। मकर संक्रांति पर हर घर खिचड़ी पकाने और उसे परोसने की परंपरा न सिर्फ स्वाद से जुड़ी है, बल्कि धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व भी रखती है। इस अवसर पर विभिन्न सामाजिक संगठन खिचड़ी भोज करेंगे। मंदिरों में भी आयोजन होंगे। दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर, अमीनाबाद स्थित ब्रह्मेश्वर शनि मंदिर समेत अन्य मंदिरों में खिचड़ी बांटी जाएगी। वहीं, लखनऊ के घरों में पारंपरिक खिचड़ी को खास बनाने के लिए इसमें हरी सब्जियां, मसाले, और तिल का तड़का जरुर लगाया जाता है। हजरतगंज के शेफ अमित शुक्ला ने बताया कि लखनवी खिचड़ी में लोग मूंग दाल और चावल के साथ गाजर, मटर और बथुआ डालते हैं। तिल और घी से इसका स्वाद दोगुना हो जाता है।

गेट खुलवाने के लिए कॉलोनी के निवासी आए आमने–सामने

लखनऊ, (संवाददाता)। जानकीपुरम विस्तार के सेक्टर–एक में अराजक तत्वों के जमावड़े, छेड़छाड़ व छिनैती जैसी घटनाओं को रोकने के लिए लगाए गए गेट का कॉलोनी के कुछ लोग विरोध कर रहे हैं। इन लोगों ने नगर आयुक्त समेत अन्य अफसरों से शिकायत कर गेट हटाने की मांग की है। गेट लगाने वाली समिति का कहना है एलडीए के नक्शे में यह रास्ता ही नहीं है। पूर्व में यहां बनी दीवार अराजक तत्वों ने अपने फायदे के लिए गिरा दी थी। दीवार बनाने के लिए समिति ने एलडीए उपाध्यक्ष को पत्र भी दिया था। लेकिन, किसी ने ध्यान नहीं दिया। जानकीपुरम विस्तार के सेक्टर–एक के जितेंद्र यादव व अन्य निवासियों के अनुसार उन्होंने 24 वर्ष पूर्व यहां घर खरीदा था। एलडीए नक्शे में सेक्टर–एक के तीन मुख्य रास्ते थे। इसमें मकान संख्या 1ध्368 मकान के बगल में रास्ता बंद (डेड एंड) दर्शाया गया था। यहां दीवार बनी हुई थी। अराजक तत्वों ने साजिश के तहत उसे तोड़ दिया। इससे कॉलोनी में अराजक तत्व आने लगे। जो लड़कियों व महिलाओं के साथ अभद्रता, चेन स्नैचिंग, बाइक से हूटिंग करते थे। करीब 437 लोगों की सुरक्षा के लिए दीवार बनाने के लिए एलडीए उपाध्यक्ष से कई बार लिखित व मौखिक शिकायत की, पर समाधान नहीं हुआ।

गैस एजेंसी व पेट्रोल पंप का लाइसेंस दिलाने के नाम पर 95 लाख की ठगी की, इतने लोगों का इस तरह फंसाया

लखनऊ, (संवाददाता) ।खुद को भारत गैस का अधिकारी बताकर करता ठगी करने वाले जालसाज को रविवार गिलौला पुलिस ने एसओजी टीम के साथ मिलकर तिलकपुर मोड़ से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी लोगों को भारत गैस की एजेंसी व पेट्रोल पंप का लाइसेंस दिलाने के नाम पर ठगी करता था। जिसके कब्जे से पुलिस ने एक फॉर्च्यूनर कार, तीन मोबाइल, पांच सिम कार्ड, सात एटीएम, चार आधार कार्ड, एक पैन कार्ड, तीन निर्वाचन कार्ड, एक एचपी रिफ्यूल कार्ड व एक ड्राइविंग लाइसेंस बरामद किया है। मैनपुरी जिला निवासी आरोपी ने बलरामपुर सहित जिले के छह लोगों से 95, 34, 403 रुपये की ठगी की थी जिसके विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई कर जेल भेजा गया है। गिलौला थाना क्षेत्र के ग्राम लखना निवासी वीर बहादुर दुबे ने स्थानीय थाने में शनिवार केस दर्ज कराया था जिसमें उसका आरोप था कि उसने भारत गैस की एक एजेंसी व भारत पेट्रोलियम के दो पेट्रोल पंप के लिए आवेदन किया था। जिसका लाइसेंस दिलाने के नाम पर औन मैनपुरी जिले के थाना कुर्रा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम हाजीपुर निवासी राजकिशोर चौधरी ने उसे फोन कर खुद को भारत गैस का अधिकारी बताकर लाइसेंस दिलाने के नाम पर 45 लाख रुपये लिए थे। वहीं इसी थाना क्षेत्र के गिलौला कस्बा निवासी शहरयार को गैस एजेंसी दिलाने के नाम पर उससे 18 लाख रुपए, गिलौला निवासी मनोज कुमार तिवारी को पेट्रोल पंप का लाइसेंस दिलाने के नाम पर 10 ला ख दो हजार रुपये, थाना क्षेत्र के महजिदिया निवासी रामकुमार सिंह से गैस एजेंसी के नाम पर तीन लाख 62 हजार, सिरसिया थाना क्षेत्र के सेमरा निवासी अनिल कुमार से गैस एजेंसी के नाम पर नौ लाख 28 हजार रुपये तथा बलरामपुर जिले के कोतवाली उतरौला क्षेत्र के मधुपुर निवासी उमेश कुमार दीक्षित को पेट्रोल पंप का लाइसेंस दिलाने के नाम पर 924403 रुपये ठगे थे जिनसे भूमि की पैमाइश के लिए अधिकारियों को और रुपया देने की बात कही गई। संदेह होने पर वीर बहादुर दुबे ने गिलौला थाने में केस दर्ज कराया। आरोपी और पैसा लेने रविवार गिलौला आया था जिसे गिलौला पुलिस ने एसओजी टीम के साथ मिलकर तिलकपुर मोड़ से गिरफ्तार कर लिया। एसपी घनश्याम चौरसिया ने बताया कि आरोपी रजकिशोर गैस एजेंसी व पेट्रोल पंप के लिए आवेदन करने वालों का डाटा इंटरनेट से कॉपी करके फर्जी तरीके से उन लोगों को खुद को भारत गैस का अधिकारी बताकर अपने जाल में फंसाता था। बाद में उनके व्हाट्सएप पर कूटरचित लाइसेंस भेजकर अपनी पहचान ऊपर तक होने की बात कह ठगी करता था। आरोपी पुणे में ट्रेवल एजेंसी चलाता था। इस दौरान उसकी पहचान भारत गैस के कुछ लोगों से हुई जिनके नाम का फायदा उठाकर आरोपी ठगी करने लगा। लोग लालच में आकर खुद उसके जाल में फंसते चले गए। इस काम में उसके चालक गिलौला कस्बा निवासी नंदकुमार का भी सहयोग था। जो आरोपी की ऊंची पहुंच के बारे में लोगों को बताता था। आरोपी ने ठगी के पैसे से 30 – 30 लाख रुपये खर्च कर आगरा और फिरोजाबाद में गुजरात की एक नामी कंपनी की साड़ी का शोरूम खोला। बाद में आगरा का शोरूम बंद हो गया, जबकि फिरोजाबाद में अब भी चल रहा है। वहीं, फिरोजाबाद में एक गैरेज भी खोला था, जो चल रहा है। इसके साथ ही उसने एक पुरानी फॉर्च्यूनर कार भी खरीदा जो किराए पर चलाता है। कार पर सदस्य उत्तर मध्य रेलवे सलाहकार समिति का बोर्ड भी लगा रखा है। आरोपी के ट्रेवल एजेंसी में उसके चालक गिलौला निवासी नंदकुमार की तलाश कराई जा रही है। जल्द ही उसे भी गिरफ्तार किया जाएगा।

पौष पूर्णिमा के साथ शुरू हुआ शाही स्नान, सीएम योगी ने दी शुभकामनाएं

लखनऊ, (संवाददाता)। विश्व के सबसे विशाल, आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक समागम श्महाकुम्भ 2025श का सोमवार तीर्थराज प्रयागराज में शुभारंभ हो गया। इस पवित्र अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समस्त श्रद्धालुओं, संतों, महात्माओं, कल्पवासियों और आगंतुकों का स्वागत करते हुए महाकुम्भ के प्रथम स्नान की शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि महाकुम्भ भारत की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक गरिमा का प्रतीक है। यह आयोजन 'अनेकता में एकता' की भावना को सजीव करता है। मां गंगा की पवित्र धारा में स्नान और साधना करने आए सभी श्रद्धालुओं की मनोकामनाएं पूर्ण हों। उन्होंने आगे कहा कि यह पर्व न केवल धार्मिक आस्था का केंद्र है, बल्कि सनातन संस्कृति और परंपराओं के वैश्विक गौरव का प्रतीक भी है। मुख्यमंत्री ने बताया कि महाकुम्भ को दिव्य और भव्य बनाने के लिए सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं।

उद्योगों की समस्याओं पर सरकार संवेदनशील : राकेश सचान

लखनऊ, (संवाददाता)। प्रदेश के कैबिनेट मंत्री राकेश सचान ने कहा कि उद्योगों की समस्याओं को लेकर सरकार संवेदनशील है और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में उद्यमियों के हित में लगातार कार्य किए जा रहे हैं। वे रविवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान के मार्स ऑडिटोरियम में लघु उद्योग भारती की ओर से आयोजित क्षेत्रीय सम्मेलन (उप्र–उत्तराखंड) व उद्यमी महासम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि प्रदेश में 44 लाख करोड़ के पूंजी निवेश प्रस्ताव आए हैं और 15 हजार करोड़ के अन्य प्रस्ताव भी निकट भविष्य में आने वाले हैं। कार्यक्रम में उद्योगों की प्रमुख समस्याओं को व्यापारियों ने उठाया। इस पर कैबिनेट मंत्री ने सरकार द्वारा उठाए गए कदमों से अवगत कराया और कहा कि प्रदेश की कानून व्यवस्था उत्तम हुई है। सड़कें, हाईवे, रेलवे व विमान सेवाओं का विस्तार हुआ है और इस वजह से प्रदेश के बाहर के उद्यमी निवेश के लिए प्रोत्साहित हो रहे हैं। द्वितीय सत्र में लघु उद्योग भारती के सभी संभाग अध्यक्षों ने संभागीय वृत प्रस्तुत किया। प्रदेश कोषाध्यक्ष रमन चावला व सह कोषाध्यक्ष राघव सिंह ने संगठन की वित्तीय स्थिति और नियमों के संदर्भ में प्रस्तुतिकरण दिया। अंतिम सत्र में उद्यमी सम्मेलन का शुभारंभ मुख्य अतिथि डिप्टी सीएम बृजेश पाठक ने किया। उन्होंने कहा कि यह सरकार आपकी है और सभी अपेक्षित कार्य उद्यमियों के सहयोग से ही किए जाएंगे। हमारे दैनिक उपयोग की सभी सामग्री छोटे उद्योगों द्वारा उत्पादित की जाती हैं और उद्योग ही इनकी आपूर्ति के माध्यम हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि लघु उद्योग भारती की ओर से बताई गईं सभी समस्याएं तत्काल प्रमुख सचिव स्तर से निस्तारित कराई जाएंगी। प्रदेश अध्यक्ष मधुसूदन दादू ने लघु उद्योग भारती की फर्रूखाबाद, कन्नौज, देवरिया, सुल्तानपुर, सीतापुर, रामपुर की पूर्ण इकाइयों की घोषणा की और बताया कि कानपुर महिला इकाई स्थापित की जा रही है। लघु उद्योग भारती द्वारा कौशल विकास केंद्र की स्थापना व प्रदेश कार्यालय के लिए भूमि की व्यवस्था हो गई है।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 - 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI NO - UPHIN/2022/86937
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।